कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

जज, जूरी और जल्लाद के रूप में टीएमसी नेता 'जेसीबी'- सुवेंदु अधिकारी

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (कोलकाता): पश्चिम बंगाल में एक दंपति की पिटाई का वीडियो वायरल होने के बाद निशाने पर आई तृणमूल कांग्रेस के लिए परेशानी खत्म होने का नाम नहीं ले रही. बीजेपी विधायक और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक नया वीडियो पोस्ट किया और सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधा. यह घटना 16 जून की बताई जा रही है.

उन्होंने लिखा, "स्ट्रीट जस्टिस का एपिसोड 2... जज, जूरी और जल्लाद के रूप में टीएमसी नेता तजीमुल उर्फ 'जेसीबी' शामिल हैं. ममता बनर्जी के बंगाल में बस एक और दिन, जहां 'मुस्लिम राष्ट्र' की परंपराओं का मनमर्जी से पालन किया जाता है." 3 मिनट 24 सेकेंड के वीडियो में देखा जा सकता है कि रात के अंधेरे में एक महिला और पुरुष को रस्सी से बांधकर ले जाया जा रहा है. बाद में एक स्थान पर दोनों को डंडे से पीटा जा रहा है.

ऐसा ही एक वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था, जहां उत्तरी दिनाजपुर जिले के चोपड़ा इलाके में कथित अवैध संबंधों को लेकर एक दंपति की बेरहमी से पिटाई की जा रही थी. 28 जून को हुई घटना के सामने आने पर व्यापक जनाक्रोश के बाद पुलिस ने घटना पर स्वत: संज्ञान लेते हुए 30 जून को मामला दर्ज किया था और आरोपी तजमुल उर्फ जेसीबी को गिरफ्तार कर लिया.

वीडियो में जोड़े की बांस के एक डंडे से पिटाई करते हुए दिखाई दे रहे व्यक्ति की पहचान ताजमुल उर्फ 'जेसीबी' के रूप में की गई है. ऐसा दावा किया गया है कि वह स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता है. पुलिस के अनुसार, पीड़ित लड़के और लड़की के बीच कथित तौर पर अवैध संबंध थे जिसके कारण उन्हें एक 'कंगारू कोर्ट' (अवैध अदालत) के निर्देश पर सरेआम पीटा गया.

भाजपा ने आरोप लगाया था कि आरोपी, चोपड़ा से विधायक हमीदुल इस्लाम का करीबी है. तृणमूल कांग्रेस ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि पार्टी इस तरह की गतिविधियों का समर्थन नहीं करती. टीएमसी के एक प्रवक्ता ने कहा था, "पीड़ितों को सुरक्षा मुहैया कराई गई है और घटना में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा." कूचबिहार जिले के माथाभंगा में 25 जून को भाजपा की एक महिला नेता को कथित रूप से निर्वस्त्र कर उसे प्रताड़ित किया गया था.

राज्यपाल ने कोलकाता पुलिस कमिश्नर और डीसी सेंट्रल को हटाने की सिफारिश की

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (कोलकाता): राज्यपाल सीवी आनंद बोस और सीएम ममता बनर्जी के बीच तकरार तेज हो गई है. सीएम ममता बनर्जी के बयान के खिलाफ राज्यपाल ने हाईकोर्ट में मानहानि का केस दायर करने की बात की है और अब राज्यपाल ने एक और बड़ा कदम उठाते हुए कोलकाता पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल और डीसी सेंट्रल इंदिरा मुखर्जी को हटाने की सिफारिश की है. राजभवन सूत्रों के मुताबिक राज्यपाल ने इस संबंध में केंद्र के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को पत्र भेजा है.

संविधान के अनुच्छेद 361 के अनुसार, राज्यपाल को कुछ सुरक्षा अधिकार प्राप्त हैं. ऐसे में उनके खिलाफ कोई आपराधिक जांच नहीं की जा सकती है, लेकिन कोलकाता पुलिस ने राजभवन की एक अस्थायी महिला कर्मचारी की शिकायत के आधार पर जांच शुरू की है.

राजभवन सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल को लगता है कि उनके खिलाफ यह जांच संविधान का उल्लंघन है. इस बार इसी कारण से बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कलकत्ता पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल और डीसी सेंट्रल इंदिरा मुखर्जी को हटाने की सिफारिश की है. सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने राजधानी दिल्ली स्थित केंद्र के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को भी पत्र भेजा है.

राजभवन की अस्थायी महिला कर्मचारी की शिकायत पर बंगाल के सियासी गलियारों में खूब हंगामा मचा हुआ है. महिला ने इसकी शिकायत पुलिस से की. उस शिकायत के मद्देनजर कोलकाता पुलिस ने एक टीम बनाई और जांच शुरू की. हालांकि, उस पूछताछ के मद्देनजर लालबाजार की ओर से उनकी स्थिति स्पष्ट की गई थी. कहा गया, यह किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ जांच नहीं है, बल्कि एक विशेष आरोप के मद्देनजर जांच की जा रही है.

इस बीच राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने आम जनता को भी बुलाया और राजभवन के सीसीटीवी फुटेज दिखाए. उन्होंने कहा, उस वक्त ममता बनर्जी और उनकी पुलिस के अलावा कोई भी सीसीटीवी फुटेज देखने आ सकता था. हालांकि, बाद में फुटेज पुलिस को मिल गई. इसी मामले को लेकर ममता बनर्जी और राज्यपाल में जमकर तकरार मची हुई है. इसी को लेकर सीएम के बयान पर राज्यपाल ने हाईकोर्ट में मानहानि का केस दायर करने की बात कही है.

ईसीएल सीएमडी समीरण दत्ता के नेतृत्व में ईसीएल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (पांडवेश्वर): ईसीएल ने अपना कोयला उत्पादन में लगातार बढ़ोतरी करते हुए सीएमडी समीरन दता के मार्गदर्शन में लगातार रिकार्ड बना रहा है, जून महीना, 2024 के दौरान ईसीएल ने 38.5 एल.टी. कोयला उत्पादन हासिल किया है, जो जून, 2019 के 35.91 एल.टी. के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पार किया है, ईसीएल ने 2024-25 की पहली तिमाही में 11.697 मिलियन टन कोयला उत्पादन हुआ जो वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही के 11.534 मिलियन.टन के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को ईसीएल ने पार किया है.

जून, 2024 के दौरान ईसीएल ने 172.79 एल.सीयू.एम. ओबी रिमूवल हासिल किया है, जो पिछले वर्ष जून, 2023 के दौरान 118.69 एल.सीयू.एम. के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पार किया है, चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में 53.192 मिलियन. सीयू.एम. तक ईसीएल का प्रदर्शन रहा है, जो 2023-24 की पहली तिमाही के दौरान 38.508 मिलियन सीयू.एम. था, ईसीएल ने अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पार किया है, चालू वित्तीय वर्ष जून, 2024 के महीने के दौरान ईसीएल ने 43.97 एल.टी. ऑफटेक हासिल किया है, जून, 2019 के दौरान 39.93 एल.टी. के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को ईसीएल ने पार कर लिया, चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में ईसीएल ने 13.014 मिलियन टी. ऑफटेक प्राप्त किया है, जो वर्ष 2014,2015, के पहले तिमाही 9.357 मिलियन टी. के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को तोड़ दिया है,

ये सभी उपलब्धियाँ स्थापना के बाद से जून पहली तिमाही के किसी भी महीने के दौरान अब तक की सबसे अधिक उपलब्धियाँ हैं, इस उपलब्धि पर पांडवेश्वर क्षेत्र के महाप्रबंधक अजय कुमार शर्मा समेत झांझरा, बंकोला, सोनपुर बाजारी क्षेत्र के महाप्रबंधक समेत अन्य अधिकारीयो ने भी ईसीएल के इस उपलब्धि पर खुशी का इजहार किया है.

बीच सड़क पर महिला और पुरुष को डंडे से पीटने वाला जेसीबी, गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (कोलकाता): चोपड़ा में बीच सड़क पर एक महिला और पुरुष को डंडे से बुरी तरह पीटने वाले मुख्य आरोपी तजीमुल इस्लाम उर्फ जेसीबी को अदालत ने पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा. तजीमुल की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सोमवार को उसे इस्लामपुर कोर्ट में पेश किया था, जहां पुलिस ने आरोपी की 10 दिन की हिरासत मांगी थी, लेकिन अदालत ने पुलिस को महज पांच दिन की हिरासत दी है. पांच दिन बाद आरोपी को फिर से कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा. साथ ही पुलिस ने खुलासा किया है कि आरोपी तजीमुल के खिलाफ 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं.

पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला कि चोपड़ा ब्लॉक के लखीपुर ग्राम पंचायत के दिघल गांव इलाके में एक प्रेमी और प्रेमिका को सालीसी सभा में बेरहमी से पीटा गया था. इस घटना का मुख्य आरोपी तजीमुल इस उत्पीड़न का मास्टरमाइंड है. वह अपने साथियों के साथ मौके पर मौजूद था.

बताया जा रहा है कि आरोपी ने एक महिला और एक पुरुष को एक्सट्रामैरिटल अफेयर के आरोप में सजा देने के लिए कंगारू कोर्ट का आयोजन किया था और उसी दौरान आरोपी ने महिला पर हमला करता हुआ दिख रहा है. पुलिस ने बताया कि इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद से आरोपी तजमुल फरार हो गया था, लेकिन डिस्ट्रिक्ट पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने यह भी बताया कि जेसीबी के खिलाफ बारह आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसमें हत्या का भी मामला शामिल है.

वहीं, इस मामले पर मीडिया से बात करते हुए स्थानीय टीएमसी विधायक हमीदुल रहमान ने कहा कि पीड़ित महिला ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है. यह मीडिया है जो इस मुद्दे को उठा रहा है. उन्होंने महिला पर असामाजिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया है.

हमीदुल रहमान ने कहा,'आप किस वायरल वीडियो के बारे में बात कर रहे हैं? महिला ने इसकी शिकायत नहीं की है. आप मीडिया के लोग इसे हेडलाइन बना रहे हैं. महिला अपने पति के होते हुए भी असामाजिक गतिविधियों में शामिल थी. उसकी असामाजिक गतिविधि के लिए एक 'सालीसी सभा' का आयोजन किया गया था. उसकी असामाजिक गतिविधि के लिए एक 'सालीसी सभा' का आयोजन किया गया था, लेकिन उसने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है. वह समाज को नुकसान पहुंचा रही थी. इसलिए न्याय के लिए कंगारू कोर्ट का आयोजन किया गया.

पश्चिम बंगाल गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन की ओर से

56वां गारमेंट क्रेता एवं विक्रेता सम्मेलन एवं बीटूबी एक्सपो का शानदार आयोजन

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (कोलकाता): पश्चिम बंगाल गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन की ओर से तीन दिवसीय 56वां गारमेंट क्रेता एवं विक्रेता सम्मेलन एवं बीटूबी एक्सपो का आयोजन कोलकाता के बिस्व बांग्ला (मिलन मेला) प्रांगण में किया गया है। जो सोमवार 1 जुलाई से शुरू होकर बुधवार 3 जुलाई तक चलेगा। पश्चिम बंगाल गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन (डबल्यूबीजीएमडीए) द्वारा इस औद्योगिक क्षेत्र को गत 58 वर्षों से दी जा रही सेवा के साथ इस आयोजन के जरिए नए महत्वपूर्ण व्यवसाय की संभावना उत्पन्न करना इसका मुख्य लक्ष्य है। 56वां गारमेंट क्रेता एवं विक्रेता सम्मेलन एवं बीटूबी एक्सपो में इस बार देश विदेश के 900 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय ब्रांडों के भाग लेने की उम्मीद है। जिसमें विभिन्न प्रकार के गारमेंट प्रदर्शित किए जाएंगे तथा थोक बाजार में अनुमानित 850-900 करोड़ रुपये के वाणिज्यिक लेनदेन उत्पन्न होंगे।

राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के दृष्टिकोण से इस तरह का आयोजन काफी महत्व रखता है। जिसमे पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधि और प्रमुख व्यवसायियों के साथ प्रमुख कॉर्पोरेट घरानों के उद्योगपतियों की उपस्थिति इसमें बढ़चढ़ कर रहती है।

राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में एसोसिएशन के प्रयास के महत्व को इस कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया है।आयोजन के पहले दिन कार्यक्रम का उद्घाटन पश्चिम बंगाल सरकार की माननीय वित्त मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती चंद्रिमा भट्टाचार्य और पश्चिम बंगाल के अग्निशमन राज्य मंत्री सुजीत बोस ने एक्सपो का उद्घाटन कर इस कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर उपस्थित अन्य उल्लेखनीय सम्मानित हस्तियों में प्रदीप कुमार नंदी, निर्मल जैन, बीरम प्रकाश सुल्तानिया, मनोज गुप्ता, अरुण सोमानी, बिनय दुबे, राम चंद्र अग्रवाल जैसे कई अन्य जानी-मानी हस्तियां इसमें शामिल हुए। एसोसिएशन की ओर से इस कार्यक्रम में हरि किशन राठी, (अध्यक्ष, डब्ल्यूबीजीएमडीए), विजय करिवाला, (वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डब्ल्यूबीजीएमडीए), प्रदीप मुरारका (वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डब्ल्यूबीजीएमडीए) और सचिव और देवेंद्र वैद्य (सचिव, डब्ल्यूबीजीएमडीए के साथ अन्य गणमान्य अधिकारी इस मौके पर मौजूद थे।

अपनी स्थापना के बाद से इस एसोसिएशन ने देश को वैश्विक कपड़ा आपूर्ति श्रृंखला में एक शक्तिशाली केंद्र बनने में मदद करने और मुख्य रूप से एमएसएमई से बने आधुनिक, गतिशील और प्रतिस्पर्धी परिधान क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए बीटूबी प्रदर्शनियों और परिधान मेलों का आयोजन किया है। डबल्यूबीजीएमडीए क्रेता विक्रेता मीट देश के पूर्वी क्षेत्र में सबसे प्रसिद्ध और विश्वसनीय व्यवसायों के लिए एक सभा स्थल के रूप में विकसित हुआ है। यह आयोजन बड़ी संख्या में रोजगार पैदा करके सकल घरेलू उत्पाद में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

पश्चिम बंगाल गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के मानद सचिव, देवेंद्र बैद ने इस अवसर पर दिए काफी उपयोगी वक्तव्य में कहा, "हमारे एसोसिएशन की ओर से आयोजित बायर्स एंड सेलर्स मीट ने गत पांच दशकों से देश के पूर्वी हिस्से में व्यापार करने में निरंतर सफलता हासिल की है।"

पूर्वी भारत की सबसे बड़ी रेडीमेड गारमेंट मीट यहीं हो रही है। इस समूह ने विस्तार करना जारी रखा है और इस क्षेत्र में रेडीमेड गारमेंट क्षेत्र ने अनिश्चित आर्थिक स्थितियों और उद्योग में उतार-चढ़ाव के बावजूद बेहतरीन प्रदर्शन किया है। एमएसएमई विभाग ने संगठन की बैठक को अपनी मंजूरी दे दी है, जिसके बाद यह आयोजन अपनी तरह की पहली बैठक बन गई है।

इस अवसर पर पश्चिम बंगाल गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हरि किशन राठी ने कहा, "हमें अपने पूर्ववर्तियों से वर्षों से निरंतर समर्थन मिला है। जिससे अब हम अपनी अगली पीढ़ी के लिए अधिक टिकाऊ और वातावरण के अनुरूप व्यवसायिक क्षेत्र बनाने की उम्मीद में हैं"। इस आयोजन में हमारे सामान्य निर्माताओं और थोक विक्रेताओं के साथ इस बार हमारे साथ खुदरा विक्रेता भी जुड़कर इसमें भाग ले रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि यह बैठक भविष्य में एक नया अवसर साबित होगा, जिस अवसर का हम सभी लाभ उठा सकते हैं।

पश्चिम बंगाल गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के बारे में: यह पूर्वी भारत के सबसे बड़े संगठनों में से एक है जो रेडीमेड परिधान उद्योग और व्यापार का प्रतिनिधित्व करता है। एसोसिएशन की स्थापना 1962 में हुई थी और यह रेडीमेड कपड़ों के क्षेत्र के विकास का समर्थन करने के लिए इस क्षेत्र में विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान करता है।

पश्चिम बंगाल गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के प्रमुख सदस्यों में कन्हैयालाल लखोटिया (कोषाध्यक्ष), प्रेम कुमार सिंहल, (संयुक्त कोषाध्यक्ष), अमरचंद जैन, तरुण कुमार झाझरिया, आशीष झंवर, मनीष राठी, कमलेश केडिया, मनीष अग्रवाल, किशोर कुमार गुलगुलिया, विक्रम सिंह बैद, सौरव चांडक, साकेत खंडेलवाल, अजय सुल्तानिया, राजीव केडिया, संदीप राजा, बृज मोहन मुंदड़ा, भुवन अरोड़ा, मोहित दुगर, सज्जन शर्मा और अनिल सोमानी के साथ कार्यकारी समिति के अन्य कई सदस्य और पूर्व अध्यक्ष हरि प्रसाद शाह इसमें शामिल हैं।

सलुवा में नि:शुल्क फुटबॉल अकादमी की स्थापना

श्याम कुमार राई 'सलुवावाला'

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (सलुवा): क्षेत्र में खेल वातावरण का सूखा दूर कर खेलों की हरियाली लाने के प्रयास हेतु गत् मई महीने की 24 तारीख से सलुवा युनाइटेड फुटबाल अकादमी की स्थापना की गई है। अकादमी की स्थापना से इस सलुवा के समस्त खेलप्रेमी उत्साह और उमंग से भर उठे हैं।

बताना चाहूंगा कि यह अकादमी गत् 24 मई से आरंभ हुए इस अकादमी की परिकल्पना ईएफआर बटालियन के जवान श्री हिराज तामंग एवं उनके साथी खिलाड़ी जवानों की है। हिराज तामंग अमित के नाम से ज्यादा लोकप्रिय हैं। सलुवा युनाइटेड फुटबॉल अकादमी एक आदर्श कोशिश की एक मिसाल है।

इस अकादमी में प्रशिक्षण नि:शुल्क दिया जाता है। अर्थात प्रशिक्षु खिलाड़ियों से किसी भी तरह का शुल्क नहीं लिया जाता है। पर अनुशासन का कड़ाई से पालन कराया जाता है। वर्तमान में इन दिनों फुटबाल अभ्यास का समय प्रति सोमवार से शनिवार तक और दोपहर बाद 4 से 6 बजे तक और प्रति रविवार को सुबह 7 बजे से 9 बजे और दोपहर बाद 4 से 6 बजे तक का समय रखा गया है। प्रशिक्षु खिलाड़ियों को उन अनुशासन का पालन करना ही होता है, अन्यथा उन्हें प्रशिक्षण से बाहर भी किया जा सकता है।

प्रशिक्षु खिलाड़ियों को अभ्यास में अनुपस्थित होने की पूर्व सूचना देना आवश्यक है। क्योंकि नि:शुल्क प्रशिक्षण कैंप है इसलिए जब मन किया अभ्यास के लिए आए और जब मन नहीं किया नहीं गए। ऐसा नहीं होता है। वर्तमान में विभिन्न आयुवर्ग के 80 प्रशिक्षु फुटबाल खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है।

भविष्य के खिलाड़ियों को तैयार करने में अकादमी के कोच ई एफ आर तृतीय बटालियन के अमित तामंग, कालिमपोंग के खिलाड़ी सबीन राई, ईएफआर द्वितीय बटालियन के संजीव गुरूंग एवं ईएफआर प्रथम बटालियन के सुखबीर दमाई जैसे पूर्व अनुभवी खिलाड़ियों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है इन सभी कोच जवानों की अकादमी के प्रति उत्साह और लगन और परिश्रम की जितनी प्रशंसा की जाए कम होगी।

ज्ञातव्य है कि सलुवा जहां एक समय खेल -खिलाड़ियों की बाढ़ हुआ करती थी वहां खेलों का सूखा और अकाल तक की नौबत आ चुकी थी ऐसे में सलुवा युनाइटेड फुटबॉल अकादमी का यह सद्प्रयास भविष्य के प्रति अच्छी उम्मीद जगा रहा है। मैं यहां अपील करना चाहूंगा कि सलुवा के खेलप्रेमी अपने हिस्से का सहयोग एवं प्रोत्साहन देकर अकादमी को एक सम्मानित स्थान तक पहुंचाने में भरपूर योगदान देंगे,

ताकि सलुवा युनाइटेड फुटबॉल अकादमी अबाध गति से अपने लक्ष्य के प्रति निरंतरता बनाए रख सकेगी।

खड़गपुर में सिटी नाइट मैराथन

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (खड़गपुर): पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत खड़गपुर यूथ स्पोर्ट्स एकेडमी तालबागीचा हमेशा सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहती है।

यूथ स्पोर्ट्स एकेडमी तालबागीचा मैराथन द्वारा सिटी नाइट मैराथन का आयोजन किया गया। सिटी नाइट मैराथन खड़गपुर के झापेटपुर रास उत्सव मैदान से शुरू हुई। विभिन्न उम्र के 410 पुरुषों और महिलाओं ने भाग लिया। यहां प्राचीन परंपराएं और स्थापत्य इतिहास आपस में जुड़े हुए हैं।

यहां के लोग शिक्षा और संस्कृति की सैकड़ों वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी खड़गपुर शहर के मुख्य आकर्षणों में से एक है। राज्य के लोग इस शहर को 'दुनिया के सबसे लंबे प्लेटफार्मों में से एक' के रूप में जानते रहे हैं। प्रथम पुरस्कार पाने वालों में 8 वर्ष बालक समूह में किशन मांडी तथा 8 वर्ष बालिका समूह में नैना सिंह, 15 वर्ष बालक समूह में पंचानन बेरा, 45 वर्ष पुरुष समूह में आनंद मांडी तथा 45 वर्ष महिला समूह तथा 55 वर्ष बालक समूह में शम्पा गुइन और 55 वर्ष पुरुष वर्ग में अनिल महतो विजेता रहे।

आसनसोल स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा बहुउद्देशीय टिकट चेकिंग स्पेशल का उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (आसनसोल): आसनसोल स्टेशन सैलून साइडिंग पर मंडल रेल प्रबंधक चेतना नंद सिंह द्वारा 'प्रगति' नामक बहुउद्देशीय टिकट चेकिंग स्पेशल का उद्घाटन किया गया। यह पहल आसनसोल मंडल में टिकट चेकिंग की दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए बनाई गई है।

प्रगति का उपयोग मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों और चलती ट्रेनों में व्यापक टिकट निरीक्षण करने के लिए किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि वे किराया अनुपालन का पालन करें और समग्र यात्रा अनुभव को बेहतर बनाएं। टिकट चेकिंग के अलावा प्रगति मंडल के अनुरक्षण और ऑपरेशन कार्य में सहायता करेगी।

कांचरापाड़ा वर्कशॉप द्वारा पुनर्निर्मित प्रगति रेलवे के अपने परिचालन की अखंडता को बनाए रखने और अपने यात्रियों को बेहतर सेवा गुणवत्ता प्रदान करने के प्रयासों में एक महत्त्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है।

उद्घाटन के दौरान श्री सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहल रेलवे प्रणाली के भीतर अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे दंड से बचने के लिए वैध टिकट के साथ यात्रा करें और सभी के लिए एक सहज व परेशानी मुक्त यात्रा बनाने में रेलवे के प्रयासों का समर्थन करें।

प्रगति का उद्घाटन आसनसोल मंडल की परिचालन क्षमताओं को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि सभी यात्री जिम्मेदारी और अच्छी तरह से यात्रा करें।

डॉक्टर डे पर चिकित्सक को सम्मानित किया गया

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (रानीगंज): चिकित्सा के क्षेत्र में डा. विधानचंद्र राय के योगदान को सम्मान देने केलिए प्रति वर्ष 1 जूलाई को उनके जन्मदिन पर नेशनल डाक्टर डे मनाया जाता है। इसी सिलसिला को आगे बढ़ाते हुए जामुड़िया में कांग्रेस संगठन ने जामुड़िया बाजार में डा. भास्कर बनर्जी को पुष्प गुच्छ, अंगवस्त्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। सनद रहे डा.भाष्कर बनर्जी 2010 में तत्कालीन जामुड़िया नगर पालिका के चैयरमेन रह चुके हैं।

इस अवसर पर पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य विश्वनाथ यादव ने कहा कि डाक्टर भास्कर बनर्जी गरीबों के डाक्टर है। उनका ह्रदय समाज सेवा की भावना से भरी हुई है। वे एक रचनात्मक सोच वाले व्यक्ति हैं। इस अवसर पर उपस्थित थे वरिष्ठ कांग्रेस नेता फिरोज लवीब खान एवं अन्य।

कानून मंत्री मलय घटक ने किया अस्पताल का उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (रानीगंज): काली पहाड़ी इलाके के निकट लाइफलाइन मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का उद्घाटन हुआ इस मौके पर यहां राज्य के कानून और श्रम मंत्री मलय घटक, जमुरिया के विधायक हरे राम सिंह, बीसी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर फाल्गुनी मुखर्जी, रामकृष्ण मिशन के महाराज स्वामी सोमात्मानंद जी महाराज के अलावा इस क्षेत्र के तमाम विशिष्ट लोग उपस्थित थे मंत्री मलय घटक ने दीप प्रज्वलित कर इस अस्पताल का उद्घाटन किया।

इस मौके पर मलय घटक ने कहा कि आज डॉक्टर्स डे है आज के इस दिन पर यहां पर इस अस्पताल की शुरुआत हुई जो की बेहद खुशी की बात है, उन्होंने कहा कि जब से मुख्यमंत्री के तौर पर ममता बनर्जी ने बंगाल की कमान संभाली है तब से पूरे बंगाल के साथ-साथ इस क्षेत्र में भी स्वास्थ्य सेवाओं में भारी विकास हुआ है. उन्होंने कहा कि पहले आसनसोल में अगर किसी को गंभीर बीमारी होती थी तो उसे यह तो दुर्गापुर या कोलकाता जाना पड़ता था लेकिन अब आसनसोल में धीरे-धीरे कई गैर सरकारी अस्पताल और नर्सिंग होम खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आसनसोल जिला अस्पताल में भी लोगों को जो सेवाएं मिल रही हैं वह बेहद उत्कृष्ट है जिससे कि यहां के मरीजों का इलाज बेहद विश्व स्तरीय तरीके से किया जा रहा है उन्होंने आशा जताई के लाइफ लाइन मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में भी लोगों का इलाज बेहद उच्च गुणवत्ता संपन्न तरीके से किया जाएगा।

वहीं इस बारे में इस अस्पताल के संस्थापक डॉ जयंत भट्टाचार्य ने कहा कि आज इस अस्पताल की सॉफ्ट लॉन्चिंग हुई यहां पर ऑपरेशन थिएटर सीटी स्कैन सहित अन्य सुविधाओं को देखा गया और उनकी शुरुआत की गई

उन्होंने बताया कि उनके इस मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में ऑर्थोपेडिक, यूरोलॉजी, न्यूरोलॉजी ,गायनोलॉजी, नेफ्रोलॉजी सहित विभिन्न विभागों के चिकित्सक उपलब्ध रहेंगे जो विश्व स्तरीय इलाज उपलब्ध कराएंगे।

उन्होंने बताया कि उनके अस्पताल की तरफ से स्वास्थ्य साथी के लिए आवेदन कर दिया गया है और बहुत जल्द इसकी भी सुविधा यहां पर आने वाले मरीजों को प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि उनके जो दूसरे हॉस्पिटल हैं वहां पर पहले से ही स्वास्थ्य साथी की सुविधा मरीजों को प्रदान की जा रही है और अन्य हॉस्पिटलों में स्वास्थ्य साथी को लेकर मरीज को जिन परेशानियों का सामना करना पड़ता है यहां पर मरीजों को उन परेशानियों का सामना करना नहीं पड़ेगा।

डॉक्टर दिवस पर चिकित्सकों को सम्मानित किया गया

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (रानीगंज): डॉक्टर दिवस पर सुरक्षा की तरफ से चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। सुरक्षा की तरफ से चिकित्सकों को प्रमाण पत्र एवं मोमेंटम प्रदान किया गया। चेन्नई से एम एस डेंटल की डिग्री प्राप्त डॉक्टर शिखा गुप्ता, गोल्ड मेडलिस्ट ईएनटी चिकित्सक डॉक्टर अनिर्बान घोष, स्त्री रोग लेप्रोस्कोपी सर्जन डॉक्टर अमृता घोष, आसनसोल के लाइफ लाइन अस्पताल के अध्यक्ष डॉक्टर जयंत भट्टाचार्य, कार्डियोलॉजी डीएम चिकित्सक दिव्येंदु दास, मिशन अस्पताल के चिकित्सक डॉक्टर शुभम गुप्ता एवं सुप्रसिद्ध सर्जन डॉक्टर पीके बजाज को सम्मानित किया गया।

सुरक्षा की तरफ से विमल देव गुप्ता ने कहा कि पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉक्टर बिधान चंद्र राय के जन्मदिन की अवसर पर डॉक्टर दिवस मनाया जाता है एक मरीज के लिए उसका डॉक्टर किसी फरिश्ता से कम नहीं होता है। प्रत्येक चिकित्सक प्रतिदिन पूरा दिन अपने मरीज की जान बचाने में एवं उसके उपचार में समय देते हैं उनके डेडीकेशन को एवं जज्बा को हम लोग सलाम करते हैं। एवं डॉक्टर दिवस के अवसर पर उनका सम्मान करके हम खुद अपने आप को सम्मानित महसूस करते हैं।

इस मौके पर डॉ राजेश गुप्ता ने कहा कि सुरक्षा की तरफ से आज कई चिकित्सकों को सम्मानित किया गया है, इस तरह का कार्यक्रम करके हम लोगों का मनोबल बढ़ा है मरीज के इलाज करते-करते कई बार हमें कई लोगों के दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है लेकिन आज सुरक्षा की तरफ से हमें सम्मानित करके हमें इज्जत देकर हम चिकित्सकों का मान बढ़ाया है।

संस्था के अध्यक्ष दलजीत सिंह ने कहा कि प्रत्येक वर्ष डॉक्टर दिवस के अवसर पर विभिन्न विभाग के स्पेशलिस्ट चिकित्सकों को सम्मानित किया जाता रहा है। पश्चिम बंगाल के विख्यात जाने-माने चिकित्सक डॉक्टर जयंत भट्टाचार्य ने कहा कि हम लोग मरीज को बचाने के लिए एवं उनके स्वास्थ्य लाभ के लिए हमेशा प्रयासरत रहते हैं।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए ऑनडेट पेमेंट की व्यवस्था

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (आसनसोल): सोमवार को ऑनडेट पेमेंट का आयोजन नये सभाकक्ष में किया गया। आशीष भारद्वाज, अपर मंडल रेल प्रबंधक ने कुल 27 सेवानिवृत्त अधिकारियों, कर्मचारियों, मृत रेलवे कर्मचारियों के विधवाओं के बकाया राशि का निपटान, पीपीओ (पेंशन भुगतान आदेश), निपटान विवरण और उम्मीद कार्ड (सेवानिवृत्त कर्मचारी उदारीकृत स्वास्थ्य योजना (आरईएलएचएस) कार्ड के बजाय) सौंपे। इस कार्यक्रम में बबल यादव, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, ,डॉ.ब्यास मुखर्जी/ डीएमओ, मंडल रेलवे अस्पताल और अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL—713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

वर्तमान राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय जैसे व्यक्तित्व की बेहद कमी- तरूण रॉय

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (दुर्गापुर): पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ बिधान चंद्र रॉय की जयंती पर उनके स्मरण में 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस मनाया जाता है। डॉ. बिधान चंद्र रॉय एक ओर जहां प्रसिद्ध चिकित्सक थे, वहीं दूसरी ओर वे एक राजनीतिज्ञ के रूप में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री भी रहे है। वह 14 वर्षों तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। उनका जन्म 1 जुलाई 1882 को हुआ था और उसी दिन 1962 में उनकी मृत्यु हो गई।

दुर्गापुर के साथ-साथ राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर उपजिला कांग्रेस सेवा दल की ओर से बंगाल के दिवंगत मुख्यमंत्री स्व. बिधान चंद्र रॉय की पुण्य तिथि और 142वीं जयंती मनाई गई।

रघुनाथपुर कांग्रेस सेवा दल कार्यालय में एक कार्यक्रम में विधान रॉय के चित्र पर फूल और मालाएं अर्पित कर बंगाल के आइकन को श्रद्धांजलि दी गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य तरूण रॉय ने की। दुर्गापुर महकमा कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अमल हलदर, इंटक नेता राणा सरकार, पूर्णेंदु पांडा, संगठन के युवा नेता सिकंदर अली, सुब्रत घोष और संगठन के अन्य कार्यकर्ता और सदस्य भी उपस्थित थे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य तरूण रॉय ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय जैसे व्यक्तित्व की बेहद कमी है. उनकी दूरदर्शिता और बंगाल के विकास के लिए किए गए निस्वार्थ प्रयास आज भी हमारे लिए अनुकरणीय हैं। हालाँकि वे सीधे तौर पर राजनेता नहीं थे, फिर भी वे बंगाल के एक सफल मुख्यमंत्री थे। बिधान चंद्र रॉय का जीवन दर्शन न केवल आने वाली पीढ़ियों के लिए बल्कि वर्तमान राजनेताओं के लिए भी एक उदाहरण है।

उखड़ा बरनवाल महिला कल्याण समिति का दूसरी कमेटी का हुआ गठन

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (उखड़ा): उखडा बरनवाल समाज की द्वितीय बरनवाल महिला कल्याण समिति ने बरनवाल सेवासदन मे अपना हर्षोल्लास के साथ शपथ लेकर कार्यभार संभाला, इस अवसर पर उखडा के बरनवाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अनुपम बरनवाल, सचिव विजय बरनवाल, कोषाध्यक्ष दीपक बरनवाल, उपाध्यक्ष पंकज बरनवाल, सहसचिव निराला मधुकर एवं निवर्तमान अध्यक्ष मोहन प्रसाद बरनवाल, पूर्व सचिव शुकदेव प्रसाद बरनवाल, उखड़ा बरनवाल महिला कल्याण समिति की प्रथम सचिव निलम बरनवाल एवं बरनवाल समाज की लगभग 100 महिलाएं उपस्थित थी,

शपथ ग्रहण समारोह दीप प्रज्ज्वलन, शंखनाद व गायत्री मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ हुआ, तत्पश्चात बरन वंशियो के परम श्रद्धेय आदि पुरूष महाराजा श्री अहिबरन जी के तैल चित्र पर तिलक व माल्यार्पण वरिष्ठ जन शुकदेव प्रसाद व मोहन प्रसाद द्वारा किया गया, साथ ही बरनवाल कल्याण समिति व बरनवाल महिला कल्याण समिति की कार्यकारिणी ने भी पुष्पांजलि अर्पित किया, इस अवसर पर महिला समिति के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत गीत व सृष्टी व अमिषा द्वारा स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया,

नवगठित महिला समिति की अध्यक्ष रानी बरनवाल, सचिव मीनाक्षी बरनवाल, कोषाध्यक्ष सीमा बरनवाल, उपाध्यक्ष राखी बरनवाल, सहकोषाध्यक्ष झांसी बरनवाल, कला संस्कृति मंत्री श्वेता व पुनिता बरनवाल, संगठन मंत्री रजनी बरनवाल, सलाहकार मंजू बरनवाल, मीडिया प्रभारी अंजली किशोर, सुपरवाइजर/ पर्यवेक्षक अनिता बरनवाल, संरक्षिकाए, अंशु रानी, गीता व अनिता बरनवाल को बनाया गया, इस प्रकार कुल 15 पदाधिकारियों एवं 14 सदस्याओ ने अपने अपने पद -अनुरूप दायित्वों का निर्वहन करने, समिति को संगठित कर टीम भावना के साथ काम करने, अपने समाज की महिलाओ के हित के लिए व समाज को एकजुट रखने के लिए प्रयास करने का संकल्प लिया,

नवगठित महिला समिति के शपथ ग्रहण के साथ -साथ प्रथम समिति के तीन मुख्य पदाधिकारियों यथा अध्यक्ष, सचिव व उपाध्यक्ष को विदाई भी देना था, परन्तु अध्यक्ष व उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति के कारण सिर्फ सचिव श्रीमती नीलम बरनवाल को बुके व टोकन प्रदान कर औपचारिक विदाई दी गई,कल्याण समिति के पूर्व तथा वर्तमान पदाधिकारियों ने मौके पर अपने- अपने वक्तव्यों से महिला समिति का हौसला बढ़ाया.

लायंस क्लब ने पौधारोपण किया

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (रानीगंज): लायंस क्लब ऑफ रानीगंज की तरफ से डीएवी पब्लिक स्कूल में पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान वृक्षारोपण अभियान के प्रोजेक्ट चेयरमैन राजेश कुमार जिंदल ने बताया कि आज डिस्ट्रिक्ट फाउंडेशन डे और डॉक्टर्स डे के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। रानीगंज के आईएमए हाउस में डॉक्टर बिधान चंद्र राय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और लायंस क्लब रानीगंज के प्राणपुरुष डॉक्टर एम के लोयलका की रानीगंज आई हॉस्पिटल में लगी प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया गया। डीएवी स्कूल की प्रिंसिपल मंदिरा दे ने कहा की वर्तमान समय में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करना होगा प्रत्येक लोगों को कम से कम एक पौधा गोद लेने की जरूरत है एवं उसकी देखभाल करने का दायित्व लेना होगा। लायंस क्लब की तरफ से नवनियुक्त कोषाध्यक्ष शशि कौर ने कहा कि हर महीने विभिन्न जगहों पर कम से कम 25 से 30 पौधे लगाए जाएंगे और ऐसी जगहों पर लगाए जाएंगे जहां उनकी निगरानी हो सके। आज लगभग 30 पौधे लगाए गए हैं और उन्हें पूरा भरोसा है कि स्कूल के बच्चे और स्कूल के अन्य शिक्षक और कर्मचारी इन पौधों की देखभाल करेंगे, जिससे आने वाले समय में यह सभी पौधे वृक्ष बन सकें। लायंस क्लब ऑफ महिला विंग गरिमा की तरफ से मधु साव ने कहा कि रानीगंज का उद्देश्य सिर्फ वृक्षारोपण नहीं है, बल्कि ऐसी जगहों पर पौधे लगाना है जहां इन पौधों की देखभाल हो सके। इसलिए संगठन ने फैसला लिया है कि ऐसे संस्थानों में जाकर पौधे लगाए जाएंगे जहां उनकी देखभाल हो सके।

साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों का परिचालन जारी रहेगा

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (आसनसोल): यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को क्लीयर करने के उद्देश्य से रेलवे ने पुरी-पटना-पुरी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का परिचालन जारी रखने का निर्णय लिया है, जिसे पहले अधिसूचित किया गया था। स्पेशल ट्रेनें मौजूदा मार्ग, समय, ठहराव, अनुरक्षण और संरचना के अनुसार चलती रहेंगी। 08439 पुरी-पटना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 06.07.2024 और 28.09.2024 के बीच प्रत्येक शनिवार को (13 फेरे) और 08440 पटना-पुरी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 07.07.2024 और 29.09.2024 के बीच प्रत्येक रविवार को (13 फेरे) चलेगी।

संशोधित संरचना के साथ स्पेशल ट्रेनों का परिचालन जारी रहेगा

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (आसनसोल): अच्छे समर्थन और मांग के कारण अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए सितंबर, 2024 तक निम्नलिखित स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेनों को उनके मौजूदा मार्ग, समय, स्थान और ठहराव के साथ जारी रखने की व्यवस्था की गई है: 1. 07051 हैदराबाद डेक्कन नामपल्ली- रक्सौल स्पेशल एक्सप्रेस 06.07.2024 और 28.09.2024 के बीच प्रत्येक शनिवार को तथा 07052 रक्सौल- सिकंदराबाद स्पेशल एक्सप्रेस 09.07.2024 और 01.10.2024 के बीच प्रत्येक मंगलवार को संशोधित संरचना के साथ चलेगी। 2. 07005 सिकंदराबाद– रक्सौल स्पेशल एक्सप्रेस दिनांक 01.07.2024 और 30.09.2024 के बीच प्रत्येक सोमवार को तथा 07006 रक्सौल– सिकंदराबाद स्पेशल एक्सप्रेस दिनांक 04.07.2024 और 03.10.2024 के बीच प्रत्येक गुरुवार को संशोधित संरचना के साथ चलेगी।

बर्द्धमान-हटिया मेमू एक्सप्रेस रद्द

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (आसनसोल): दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल में मुरी-हटिया और मुरी-कोटशिला में टीआरटी ब्लॉक के कारण ट्रेन चलाने को लेकर निम्नलिखित व्यवस्था की गई है:- 13503/13504 बर्द्धमान-हटिया-बर्द्धमान मेमू एक्सप्रेस, शुरू होने वाली यात्रा 01.07.2024, 03.07.2024, 06.07.2024, 08.07.2024, 10.07.2024, 11.07.2024, 13.07.2024, 15.07.2024 और 18.07.2024 को रद्द रहेगी।

आज का राशिफल

02 जुलाई 2024
मंगलवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन बढ़िया रहेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। कई अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। सहकर्मियों के साथ विनम्र रहें। नया काम पूरा कर लें। समय आत्मविश्वास बढ़ने के संकेत दे रहा है।

वृषभ
दिन अच्छा रहेगा। व्यापार के सिलसिले में यात्रा पर जा सकते हैं। बेरोजगारों को जॉब के ऑफर आ सकते हैं। परिवार के साथ पूरा समय बिताएगे। व्यवसाय में कम लाभ मिलेगा।

मिथुन
दिन मिलाजुला रहेगा। खुद को रोमांचक नई परिस्थितियों में पाएंगे। अपनी जुबान पर नियंत्रण रखें। वाहन सावधानी से चलाएं। जीवन साथी के साथ आज संबंधो में खटास आ सकती है।

कर्क
दिन अच्छा रहेगा। हर किसी की मदद के लिए तैयार रहेंगे। शुभ समाचार मिलेगा। स्वयं के प्रयास से अर्थ प्राप्त करेंगे। व्यापार में लाभ की संभावना है। परिवार की जरूरतें पूरी होंगी।

सिंह
दिन मंगलमय रहेगा। कोई अच्छा अवसर मिल सकता है। नौकरी अच्छी जगह मिल सकती है। शुभ समाचार मिलने की संभावना है। आर्थिक लेन-देन में अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें।

कन्या
दिन अनुकूल नहीं है। घर में माहौल तनावपूर्ण बन सकता है। दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करें। जल्दबाजी में निवेश न करें। आज कारोबार में थोडा सा आपको नुकसान हो सकता है।

तुला
दिन मिलाजुला रहेगा। बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। अचानक यात्रा के कारण आप भाग-दौड़ हो सकती है। किसी से विवाद न करें। सफलता के मार्ग खुलेगे। नए संबंधों में लाभ होगा।

वृश्चिक
दिन अनुकूल रहेगा। कामों में आपकी रुचि बढ़ेगी। नई चीजें सीखने को मिलेगी। अनावश्यक खर्चों को कम करने की कोशिश करें। भविष्य के लिए धन इकट्ठा करना आसान होगा।

धनु
दिन बढ़िया रहेगा। जमीन जायदाद या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान देने की जरूरत है। सभी पारिवारिक ऋणों को चुकाने में सक्षम होंगे। व्यक्तित्व और रूप-रंग को बेहतर बनेगा।

मकर
दिन अच्छा रहेगा। आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा। धन लाभ का योग है। प्रेम संबंधों में सफलता मिलेगी। किसी काम समझदारी से काम लेंगे तो समाधान जल्दी निकलेगा।

कुंभ
दिन अच्छा रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आपके मन मुताबिक सारे काम पूरे होंगे। ऑफिस में कुछ सहकर्मी आपके काम का विरोध करेंगे। छात्र टाइम -टेबल में बदलाव करे।

मीन
दिन मिलाजुला रहेगा। धन से जुड़ी समस्याएं तनाव का कारण बन सकती हैं। निवेश सावधानी से करें। सलाह लेने में संकोच न करें। काम के दबाव के कारण मानसिक उथल-पुथल रहेगा।

आदिवासी छात्रो का प्रशिक्षण भारतीय प्रौद्योगि की संस्थान धनबाद में शुरू

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): 1 जुलाई को आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में आदिवासी विकास के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) द्वारा झारखंड के सात ईएमआरएस के दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के 1500 से अधिक आदिवासी छात्रों के लिए बुनियादी स्तर की सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर प्रशिक्षण पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम शुरू हुआ। आईआईटी (आईएसएम) में आदिवासी विकास के लिए संचालित उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) द्वारा दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के 1500 से अधिक आदिवासी छात्रों के लिए बुनियादी स्तर की सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर प्रशिक्षण पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आज कुल मिलाकर सात एकलव्य मॉडल आवासीय में शुरू हुआ।

स्कूल (ईएमआरएस) जिनमें ईएमआरएस काठीजोरिया, ईएमआरएस गोड्डा, ईएमआरएस रांची, ईएमआरएस लोहरदग्गा, ईएमआरएस दुमका, ईएमआरएस पश्चिमी सिंहभूम और ईएमआरएस भागाडीह शामिल हैं। कार्यक्रम की ऑनलाइन लॉन्चिंग दोपहर बाद प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रोफेसर जेके पटनायक, प्रोफेसर संदीप मंडल, प्रोफेसर नीलाद्री दास और प्रोफेसर रश्मि सिंह की उपस्थिति में हुई। प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर रश्मि सिंह, जो जनजातीय मामलों के मंत्रालय के 1.92 करोड़ रुपये के फंड अनुदान के साथ स्थापित सीओई के समन्वयक भी हैं, ने कहा कि क्षमता निर्माण और कौशल विकास को पहली परियोजना के रूप में शुरू किया गया है। सीओई विशेष रूप से झारखंड के आदिवासियों के लिए उनके रोजगार, आय, आजीविका और आर्थिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। क्षमता निर्माण कार्यक्रम के बारे में अधिक विस्तार से बताते हुए, प्रोफेसर रश्मि सिंह, जो परियोजना की प्रधान अन्वेषक भी हैं, ने कहा, "पाठ्यक्रम ऑनलाइन और हाइब्रिड मोड में आयोजित किया जाएगा और पाठ्यक्रम की कुल अवधि एक वर्ष होगी। इसे 13 सप्ताह के दो सेमेस्टर में विभाजित किया गया है।" प्रत्येक।प्रोफेसर सिंह ने कहा, "पूरे एक साल के बुनियादी स्तर के कार्यक्रम के लिए हिंदी में पठन सामग्री कार्यक्रम की शुरुआत में छात्रों को दी जाएगी" और उन्होंने कहा कि संथाली भाषा में पठन सामग्री, जो ईएमआरएस स्कूलों में प्रमुख आदिवासी भाषा है, दी जाएगी। छात्रों के संदर्भ के लिए स्कूल की लाइब्रेरी में रखा गया। प्रोफेसर सिंह ने विस्तार से बताया, "ऑनलाइन मोड में एक सप्ताह में संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा छात्रों को दो सैद्धांतिक कक्षाएं और चार व्यावहारिक/हैंड-ऑन सत्र दिए जाएंगे" और कहा कि छात्रों को असाइनमेंट दिए जाएंगे। कार्य को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए हर सप्ताह समझ का परीक्षण और कड़ी निगरानी और पर्यवेक्षण किया जाएगा। प्रोफेसर सिंह ने बताया, "यह ईएमआरएस स्कूलों के कंप्यूटर/आईसीटी शिक्षकों के समन्वय से किया जाएगा।" संस्थान के विशेषज्ञ संचालन के लिए भौतिक मोड में ईएमआरएस स्कूलों में समस्या समाधान केंद्रों का दौरा करेंगेसमस्या समाधान सत्र. "कार्यक्रम और चुनौतियों से उनकी सीख को समझने के लिए छात्रों से नियमित फीडबैक लिया जाएगा। इससे जुड़े" सीओई के समन्वयक ने समझाया और कहा कि प्रिंसिपल, कक्षा से भी फीडबैक प्राप्त किया जाएगा- ईएमआरएस स्कूलों के शिक्षक और कंप्यूटर/आईसीटी शिक्षक। "आकलन के लिए सभी स्कूलों में मध्य-सेमेस्टर और अंतिम-सेमेस्टर परीक्षाएं भौतिक मोड में आयोजित की जाएंगीछात्रों की सीखने की क्षमता" के बारे में केंद्र समन्वयक ने विस्तार से बताया और कहा कि कमजोर छात्र होंगेनियमित मूल्यांकन और विशेष सत्रों के माध्यम से उनकी पहचान की जाएगी और उन तक जानकारी पहुंचाई जाएगी। स्पष्ट किया गया, "कार्यक्रम में छात्रों की उपस्थिति की निगरानी के लिए कक्षाओं के दौरान दैनिक उपस्थिति ली जाएगी।" प्रोफेसर सिंह ने यह समझाते हुए निष्कर्ष निकाला कि छात्रों के लिए प्री और पोस्ट प्रभाव मूल्यांकन आयोजित किया जाएगा कार्यक्रम के प्रभाव को समझें।

समीरण दत्ता बीसीसीएल के सीएमडी ने 150 युवा– युवतियों को दिये नियुक्ति पत्र

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): बीसीसीएल द्वारा सोमवार को परमीत फाऊंडेशन कोलकाता के साथ मिलकर एक साझा ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया था। जिसमें ट्रेनिंग उपरांत 101 युवतियों और 49 युवाओं को ट्रेनिंग उपरांत रोजगार मुहैया कराया गया। यह प्रोग्राम कूल 960 घंटे का था। ट्रेनिंग उपरांत रतन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एस बी एक्सप्रेस कार्गो लिमिटेड, वाईब्रेंट इन्फोकॉम प्राइवेट लिमिटेड, आरोहा आविष्कार, कई फाइनेंशियल ग्रुप में युवाओं ने रोजगार प्राप्त किया।

सीएमडी समीरन दत्ता ने कहा कि आज काफी खुशी का समय है इस ट्रेनिंग प्रोग्राम को पूरा करने वाले 100% लोगों को रोजगार मुहैया कराया गया है। यह सारे बच्चे हमारे धनबाद के ही है। सी एस आर के तहत ट्रेनिंग मद में 41 लाख 74 हजार खर्च किया गया है।आगे सीएमडी ने कहा कि अभी 3 ट्रेनिंग सेंटर चल रहा है, आने वाले दिनों में इसे 10 गुना किया जाएगा ताकि यहां के लोगों को ज्यादा से ज्यादा इसका फायदा मिल सके। हमारा उद्देश्य प्रोजेक्ट अफेक्ट पीपुल को डायरेक्ट इसका फायदा पहुंचाया जा सके। हमारा उद्देश्य है कि यह बच्चे सिर्फ राज्य में नहीं पूरे देश में अपना नाम को रोशन करें। आने वाले समय में यहां पर कई और केंद्र खोले जाएंगे और उत्पादन कर पूरे देश में इसका मार्केटिंग कराया जाएगा ताकि बच्चे अपना बिजनेस कर सके। इसमें बीसीसीएल सबों को पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने आगे कहा की हम चाहते हैं कि हमारे देश का इकोनामी कम से कम 8% होना चाहिए, ताकि दूसरे देशों के मुकाबले में हम आ सके।

वहीं बीसीसीएल के डायरेक्टर पर्सनल मुरली कृष्ण रमैया ने कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता से मैं काफी प्रसन्न हूं और आगे भी इस तरह का कार्यक्रम बीपीसीएल द्वारा होता रहेगा ताकि झारखंड और धनबाद के युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रोजगार मुहैया कराया जा सके। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी इस तरह का कई कार्यक्रम किया गया है जिसमें हजारों बच्चे को इसका लाभ मिल चुका है और वह आज भी रोजगार कर रहे हैं।

वहीं चीफ जनरल मैनेजर पर्सनल और सी एस आर, विद्युत शाह ने कहा की बहुत ही खुशी की बात है कि 150 युवा युवतीयो को रोजगार मिला है जिसमें 101 युवतियों एवं 49 युवकों को रोजगार मिला। उन्होंने कहा कि रविंद्र नाथ टैगोर ने कहा था एक पुरुष को नौकरी मिलता है तो उसका विकास होता है मगर एक महिला को नौकरी मिलता है तो पूरे परिवार का विकास होता है।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में चीफ मैनेजर पर्सनल विद्युत शाह का काफी महत्वपूर्ण योगदान रहा।साथ ही परमीत फाउंडेशन के चीफ पेट्रोन प्रसनजीत कुंडू ने कहा की बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता, डायरेक्ट पर्सनल मुरली कृष्ण रमैया, जीएम सीएसआर विद्युत शाह का युवकों को नौकरी दिलाने की इस सफलता में उनका काफी योगदान है और उम्मीद करते हैं आगे भी वह इस तरह हम लोगों को सहयोग करते रहेंगे। कहा इसमें अभिषेक बैनर्जी का भी काफी महत्वपूर्ण योगदान था।

विधायक पूर्णिमा से मिला बीआरपी-सीआरपी-एसएस संघ के प्रतिनिधि मंडल

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): सोमवार को झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह के रघुकुल, सरायढेला, धनबाद स्थित आवास पर धनबाद जिला बीआरपी-सीआरपी-एसएस संघ का प्रतिनिधिमंडल ने भेट किया। संघ के सदस्यों ने कैबिनेट से सेवा शर्त नियमावली पास होने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए विधायक जी को गुलदस्ता और मिठाई भेट की। साथ ही माननीय विधायक को अपने संघ का संरक्षक बनाया। माननीय विधायक ने सभी को ढेरो बधाई और सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

भाजपा नेत्री रागिनी सिंह ने प्रदेश संगठन महामंत्री जन्मदिन की बधाई दी

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): रांची स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह ने भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर जी से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हे जन्मदिन की विशेष बधाई एवं शुभकामनाएं दी वही उन्हें संगठन द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधा भेंट किया वही इस दौरान संगठनात्मक एवं राजनैतिक विषयो पर चर्चा हुई।

विधायक ने मटकुरिया में पीसीसी पथ निर्माण करा कर जनसेवा में किया समर्पित

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): सोमवार को धनबाद विधायक राज सिन्हा ने बैंक मोड़ मण्डल अंतर्गत मटकुरिया बस्ती में आँगनबाडी केंद्र से कपिल गोस्वामी के घर तक 300 फ़ीट पीसीसी पथ निर्माण करा कर जनसेवा में समर्पित किया। मौके पर ग्रामीणों के बच्चों के बीच विधायक राज सिन्हा ने अपने हाथों से मिठाई बाँटी। मौके पर भाजपा द्वार चलाये जा रहें एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत दर्जनों पौधारोपण किये गए। मौके पर बैंक मोड़ मण्डल अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह सोनू, जिला महामंत्री रवि सिन्हा, नीरज सिन्हा, बृजमोहन प्रसाद, रोहित विश्वकर्मा, प्रेम श्रीवास्तव, सुनीता देवी, छबिला देवी, अनीता देवी, गीता देवी, कंचन देवी, मीरा देवी एवं दर्जनों स्थानीय लोग उपस्थित थे।

प्रेस वार्ता कर एसएसपी ने दी विस्तृत जानकारी

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): धनबाद के लॉ कॉलेज दामोदरपुर में विगत 21 जून को अमरदीप भगत की हत्या में शामिल पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है।

यह जानकारी एसएसपी हृदीप पी जनार्दनन ने अपने कार्यालय में एक जुलाई को प्रेस कांफ्रेंस आयोजन कर दी। इस दौरान उन्होंने बताया कि लॉ कॉलेज के पास 21 जून को सूचना मिली कि एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। उसकी मां की शिकायत पर एक टीम का गठन किया गया है जिसका नेतृत्व सिटी एसपी अजीत कुमार ने की जिसमें डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर अरविंद कुमार बिन्हा धनबाद थाना प्रभारी बैंक मोड़ थाना प्रभारी शामिल थे।

जांच के दौरान सूचना प्राप्त हुआ कि आकाश जे सी मल्लिक रोड के काली मंदिर के पास रहता है। जो इस कांड में शामिल है। उनके पास देसी कट्टा भी है।

उनके घर में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया और उनके निशानदेही पर देसी कट्टा को भी बरामद की गई। पूछताछ पर कांड में शामिल अपने साथ चार साथियों का भी नाम बताया। पुलिस के अनुसार आकाश से पूछताछ पर उन्होंने बताया कि रात में छिनतई करने के लिए उस लड़का के साथ कांड किया था। लड़का जब विरोध किया तो गुस्से में आकर उसको मार दिया गया। आकाश के साथ संदीप मंडल, मुकेश कुमार, विष्णु कुमार सहित उसके पांच साथियों को गिरफ्तार किया। जिनके पास से एक देसी कट्टा और एक पिस्टल को बरामद किया गया।

स्कूल बस की चपेट में आने से बाइक सवार तीन युवक गंभीर

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): सोमवार की दोपहर में धनबाद शहर के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के मेमको मोड़ नालंदा काटेज के समीप आठ लेन रिंग रोड पर स्कूल बस व एक बाइक में जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें बाइक सवार तीन युवक को गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायल युवकों को एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। घायलों के इलाज चल रही है। जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घायलों में बगुला बस्ती धनबाद के आकाश मुर्मू, मोटू सिंह, भरत सिंह शामिल है। सभी घायलों के उम्र करीब 30 वर्ष है।

सड़क दुर्घटना मे घायल को अस्पताल लेजाने के लिए एम्बुलेंस नहीं आया तो ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स टीम के अध्यक्ष गौतम कुमार मंडल ने अपनी कार से लेकर के एसएनएमएमसीएच के आपातकाल में ले गये, वहां की चरमराई हुई स्तिथि में स्ट्रेचर तक नहीं दिया गया मरीज को, गौतम मंडल द्वारा हल्ला गुल्ला करने पर लाया गया स्ट्रेचर, ये हाल है इस सरकारी मेडीकल कॉलेज असपताल का, व्यवस्थापक यहां पर एमबीबीएस, एमडी, एमएस की सीट बढ़ाने की ख्वाइस रखते है पर यहां उपचार की ब्यवस्था बढ़ाने की ख्वाइस नही रखते है, भगवान भरोसे रहते है यहां मरीज।

बताया जाता है कि बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के मेमको मोड़ नालंदा कॉटेज के समीप स्कूल बस की चपेट में आकर बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों युवक बिना हेलमेट के थे और बाइक पर सवार होकर के मेमको मोड़ की ओर जा रहे थे। तभी अचानक दूसरी तरफ से आ रही स्कूल बस से बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। घटना में बाइक पर सवार तीनों युवक सड़क पर गिर गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एसएनएमएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। दुर्घटना के बाद चालक बस लेकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने कहा कि नई फोर लेन रिंग रोड सड़क पर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है। पुलिस वाहन जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति करती है। देखने वाला कोई भी नहीं है। पता नहीं पुलिस कबतक यहां लाशे गिनती रहेगी।

उपायुक्त की अध्यक्षता में की गई कोल कंपनियों से जुड़े भूमि हस्तांतरण एवं लीज बंदोबस्ती समेत अन्य मामलों की बैठक

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): 1 जुलाई को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में कोल कंपनियों से जुड़े भूमि हस्तांतरण एवं लीज बंदोबस्ती मामलों से संबंधित बैठक समाहरणालय स्थित सभागार में की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा विभिन्न विभागों में लंबित अनापत्ति प्रमाण पत्र, भूमि हस्तांतरण एवं लीज बंदोबस्ती, ओबी डंप, ग्राम सभा, मुआवजा, नियोजन, विस्थापन समेत अन्य मामलों की समीक्षा कर संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने बताया कि कई खनन क्षेत्रो के निवासियों द्वारा यह शिकायत प्राप्त होती है कि बिना भूमि हस्तांतरण एवं अनुमति के कोल कंपनियों द्वारा ओबी डंप किया जाता है। इस मामले को लेकर उपायुक्त ने खनन पदाधिकारी एवं संबंधित अंचलाधिकारी को खनन क्षेत्र के भू मापी कर एक हफ्ते के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही अंचलाधिकारियों को लंबित ग्राम सभा ससमय करवाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में वन्य प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी राम नारायण खालको, जिला खनन पदाधिकारी मिहिर सलकर, आईटी मैनेजर रूपेश मिश्रा, बीसीसीएल के पदाधिकारी, ईसीएल मुगमा के पदाधिकारी, अंचलाधिकारी पुटकी, निरसा, कलियासोल, बाघमारा समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहें।

बीमारी से लड़ रहे पत्रकार दीपक से मिलने पहुंचे झामुमो जिला सचिव और बीसीकेयू संयुक्त महामंत्री

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): झरिया तिसरा निवासी व प्रभात खबर के पत्रकार 39 वर्षीय दीपक कुमार दुबे लिवर सिरोसिस जैसे गंभीर बीमारी से लड़ रहे हैं। उनके लिवर ट्रांसप्लांट के लिए 40 लाख रुपए की जरूरत है। पीड़ित दीपक ने सभी से सहयोग करने की अपील किया है। वहीं इस दौरान पत्रकार दीपक के अस्वस्थ होने की सूचना मिलने पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला सचिव मन्नू आलम अपने समर्थकों के साथ उनके आवास मिलने पहुचें और हाल चाल जाना। और अपने स्तर से आर्थिक सहायता की। वहीं मन्नू आलम ने झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी एवं आम लोगो, राजनीतिक व गैर राजनीतिक संगठनों से भी पत्रकार दीपक को सहयोग करने की अपील किया है। कहा कि आपके एक सहायता से किसी की अमूल्य जीवन व परिवार की खुशियों को हम बचा सकते हैं। उन्होने कहा कि लीवर ट्रांसपलांट होगा और जल्द ही पत्रकारिता में हमलोगों के बीच स्वस्थ होकर आएंगे और सेवा करेंगे। वहीं सुचना मिलते ही बीसीकेयू के सयुक्त महामंत्री मानस चटर्जी भी अपने कोलियरी के समर्थकों के साथ उनके आवास मिलने पर पहुचें। वहीं मानस चटर्जी ने कहा कि हमलोग पूरे कोलियरी के आसपास क्षेत्रों के सभी लोग उनके साथ खड़े है और इलाज कराके जल्द स्वस्थ कराएंगे। बीसीसीएल के सीएमडी से मिलेंगे और सहायता के लिए बात करेंगे। उनके साथ क्षेत्रीय सचिव तुलसी रवानी, तेजेंद्र वर्मा, राजेंद्र पासवान, सुभाष कुमार, राजाराम पासवान, अभिजीत हलधर, बनवारी शर्मा, छेदीलाल यादव, आदि थे।

कोई भी पत्रकार दीपक को उनके मोबाइल फोन पे नंबर 8651615727 या SBI झरिया शाखा के खाता संख्या 31085260186, IFSC कोड SBIN0002951 पर सहायता राशि भेज सकते हैं।

मोके पर झामुमों प्रखंड उपाध्यक्ष निर्मल रजवार, आंदोलनकारी नेता ईश्वर मरांडी, युवा मोर्चा अध्यक्ष राजेन्द्र हेंब्रम, झामुमों चांदकुइयां पंचायत अध्यक्ष सुनील सिंह, झामुमों यूनियन नेता हराधन मोदक, मथूर राय आदि लोग मौजूद थे।

झरिया विधायक नें माइंस रेस्क्यू एंड सेफ्टी टीम को सम्मानीत किया

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): सचेतक (सत्तारूढ़ दल) सह झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने गत दिनों बीसीसीएल के ईस्ट भगतडीह 09 नंबर बंद सैकड़ों मीटर गहरी चानक से झरिया के लोअर चौथाई कुली (हरी मंदिर बाउरी मोहल्ला) निवासी कृष्णानंद साहनी के शव को निकलने वाले बीसीसीएल माइंस रेस्क्यू एंड सेफ्टी के महाप्रबंधक अरूण कुमार, टीम के सुप्रीटेंडेंट पीआर मुखोपाध्याय व अन्य सदस्यों को माइंस रेस्क्यू अधीक्षण कार्यालय धनसार में सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले सदस्यों का नाम निम्नवत है :- 1. सोमनाथ घोष 2. अशोक राम 3. राजेश कुमार 4. इसा अंसारी 5. कल्याण कुमार 6. रंजय कुमार सिंह 7. प्रदीप ओरांग 8. रवि शंकर कुमार 9. रंजीत मुखर्जी 10. कमलेश कुमार 11. देशराज प्रसाद 12. मोहन दास 13. मनोज कुमार बिंद 14. अमित कुमार सिंह 15. नसीब चौहान 16. किशोरी महतो 17. बोम्बेश सिंह 18. अमित कुमार 19. सीतेश्वर राय 20. शिव अवतार प्रसाद 21. अशोक कुमार वर्मा. कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि सूरज सिंह, अक्षय यादव, बबलू सिंह, मुन्ना सिंह, सुजीत सिंह, राजू राय, रमेश राम, रितेश सिंह, केसर यादव, भोला चौहान आदि मौजूद थे।

विमार पत्रकार दिपक दुवे से मिली विधायक पूर्णिमा, दिया मदद का आश्वासन

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): जिंदगी और मौत से जूझ रहे तीसरा क्षेत्र के पत्रकार दीपक कुमार दुबे से मिलने झरिया की विधायक माननीय सचेतक पूर्णिमा नीरज सिंह उनके आवास चांद कुइयां पहुंची उनका हाल-चाल लिया एवं कहा कि मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना के तहत मिलने वाली राशि का लाभ दिलाएंगे अपने स्तर से भी जो भी प्रयास होगा करेंगे ताकि दीपक दुबे फिर से ठीक हो सके। उनके साथ रामकृष्ण पाठक अक्षय यादव बबलू सिंह, शैलेंद्र सिंह, अभिषेक परमार रमेश राम, राजू राय, नेपाल बाउरी आदि लोग थे। इसके पूर्व झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला सचिव मन्नू आलम निर्मल रजवार सुनील सिंह हर धन मोदक जबकि बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के संयुक्त महामंत्री मानस चटर्जी तुलसी रवानी राजेंद्र पासवान सुभाष कुमार आदि भी उनका हाल-चाल लेने पहुंचे। मानस चटर्जी ने कहा कि सीएमडी से बात करेंगे। बताते हैं कि दीपक दुबे को डॉक्टर ने लिवर बदलने की बात कही है जिसमें 40 लाख रुपया लगभग खर्च होगा इनका आर्थिक स्थिति सही नहीं है इसलिए समाज के लोग जनप्रतिनिधि उनसे मिलने आ रहे हैं और मदद कर रहे हैं।

झारखंड विधानसभा की विशेष समिति के प्रस्तावित बैठक एवं स्थल निरीक्षण कार्यक्रम को लेकर उप विकास आयुक्त ने की बैठक

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): झारखंड विधानसभा की विशेष समिति (प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण) द्वारा दिनांक 3 जुलाई 2024 को धनबाद जिला में बैठक सह स्थल निरीक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित है।

प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर उप विकास आयुक्त सादात अनवर की अध्यक्षता में आज 1 जुलाई को जिला के सभी पदाधिकारी के साथ समाहरणालय सभाकक्ष में बैठक की गई, उप विकास आयुक्त ने कहा कि समिति द्वारा जिले में पाइप लाइन बिछाने, सीवरेज ड्रेनेज, जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना से संबंधित प्रतिवेदन की समीक्षा की जाएगी।

जिसमें सड़क को तोड़कर कार्य किया गया उसे विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया गया कि नहीं। साथ ही पूर्ववत स्थिति में लाने के पश्चात विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिए जाने से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही बैठक में अपने अपने प्रतिवेदन के साथ ससमय उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार समेत जिला के अलग-अलग विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे।

इनमोसा का बीसीसीएल मुख्यालय पर धरना- प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): सुपरवाइजरी स्टाफ की विभिन्न मांगों को लेकर इनमोसा के बैनर तले बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन के समक्ष एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

वहीं मिडिया को जानकारी देते हुए इनमोसा के उपमहामंत्री कुश कुमार सिंह ने कहा कि सुपरवाइजरी स्टाफ के चार्ज अलाउंस में बढ़ोतरी, सेंट्रल अस्पताल में माइनिंग सरदार व ओवरमैन को केबिन की सुविधा मुहैया कराने व कोल इंडिया की सभी समितियों में इनमोसा को शामिल करने की मांग काफी लंबे समय से किया जा रहा है। इसपर सकारात्मक पहल नहीं हो रही है इस कारण इनमोसा ने आंदोलन का निर्णय लिया है। धरना-प्रदर्शन को ऐतिहासिक बनाने के लिए सोमवार को संगठन के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कोयला भवन पहुंचे हैं। प्रवक्ता ने कहा बीसीसीएल हमारी मांगों को जल्द नहीं मानती तो इससे भी उग्र आंदोलन होगा।

सरकार के वादा खिलाफी के विरोध में मशाल जुलूस

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): वेतनमान सहित अन्य मांगों को लेकर राज्य व्यापी कार्यक्रम के तहत धनबाद एवं झरिया प्रखंड के सहायक अध्यापकों ने गोल्फ ग्राउंड से रणधीर वर्मा चौक तक मशाल जुलूस निकाल कर सरकार के वादाखिलाफी के विरोध में नारे लगाये गए। कार्यक्रम के नेतृत्व संघ प्रदेश अध्यक्ष सिद्दीक शेख, जिलाध्यक्ष अशोक चक्रवर्ती एवं मनोज राय कर रहे थे।

प्रदेश अध्यक्ष सिद्दीक शेख ने कहा कि सरकार के खिलाफ उलगुलान का 30 जुन हुल दिवस से शंखनादहो गया है, अपने चीर- परीचीत पुराने आंदोलन की तरह धार देने के लिए, शंकुल- प्रखंड में सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) की संकल्प सभा प्रारंभ होगी। 30 जून ह जिला मुख्यालयों मशाल जुलूस निकाल कर सरकार के प्रतिकार किया जा रहा है, वहीं मांगें पुरी नही होने से 20 जुलाई से मुख्यमंत्री आवास का अनिश्चितकालीन घेराव किया जायेगा।

जिला महासचिव निलाम्बर रजवार ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी ने सरकार बनने के तीन माह में वेतनमान देने वायदा सवा चार वर्षों में भी पूरा नहीं किया, पिछले चार माह से राज्य में चंपई सोरेन जी की सरकार है, जो स्वयं को हेमंत पार्ट 2 कहते हैं लेकिन इसमें भी पारा शिक्षकों का कुछ काम नहीं हुआ,

जिला प्रधान सचिव रमेश सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में राज्य के 62 हजार पारा शिक्षक सरकार बनने के साढ़े चार वर्ष बीतने के बावजूद वेतनमान नहीं मिलने, ईपीएफ तथा अनुकंपा नहीं मिलने, आंदोलन के क्रम में रघुवर सरकार द्वारा किए गए केस वापसी नहीं होने सहित विभिन्न मांगों की पूर्ति नहीं होने हुआ।

मांग

(1) वेतनमान एवं राज्यकर्मी का दर्जा- सहायक अध्यापकों को अल्पसंख्यक विद्यालयों में नियुक्त शिक्षकों के तर्ज पर वेतनमान (9300-34800) एवं बिहार राज्य के तर्ज पर राज्यकर्मी का दर्जा प्रदान किया जाय। 2- सहायक अध्यापको को कर्मचारी भविष्य निधि का लाभ यथाशीघ्र दिया जाय। 3- झारखण्ड अधिविध परिषद राँची के हठधर्मिता के कारण आकलन परीक्षा के प्रश्नों के त्रुटिपूर्ण उत्तर के संशोधित परिणाम यथाशीघ्र जारी करने के साथ-साथ आकलन उत्तीर्णता के प्रमाण पत्र एवं द्वितीय आकलन परीक्षा आयोजित किया जाय। द्वितीय आकलन परीक्षा में ईडब्ल्यूएस एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को नियमानुसार अंकों का अधिभार दिया जाए (4) सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावली 2021 में अंकित प्रावधानों के अनुरूप सहायक अध्यापकों को अनुकंपा का लाभ सहायक अध्यापकों के आश्रितों को योग्यता अनुरूप लचीला किया जाय। (5) सहायक अध्यापकों के साथ सामाजिक न्याय करते हुए आंगनबाड़ी सेविका/ सहायिका की तरह सेवानिवृत्ति 65 वर्ष किया जाय 6-बिहार सरकार के नियोजित शिक्षकों की तरह सीटेट एवं आकलन उत्तीर्ण सहायक अध्यापकों को टेट के समतुल्य लाभ दिया जाय।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से माधवी कुमारी झा, शहनाज प्रवीण, पुणम गुप्ता, पुनीता चौबे, सुनीता टुड्डू, सावित्री सोरेन, मनोज राय, रविन्द्र महतो, छोटन प्रसाद राम, बीरेन्द्र शर्मा, बसंत सिंह, दिनेश खरवार, मनोज साहनी, साजिद शेख, प्रीति कुमारी सिंह, नील कुमारी, इकबाल अंसारी, उद्देश्वर राम, वासुदेव महतो, ग्रीन्दर यादव, गोरखनाथ गुप्ता, आसीन मंडल, भागीरथ रवानी, उज्जवल मंडल, मानिक मंडल, मंटु मंडल, सुदीप मंडल, दिनेश महतो, अनिल राजवंशी, अजय गुप्ता, नंदलाल भुईया मुख्य रूप से उपस्थित थे।

संयुक्त परिवार का विघटनकारी स्वरूप

संस्कार संस्कृति को नकारती नई पीढ़ी

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई 2024: नई युग के रूपांतरण के साथ ही संयुक्त परिवार का विघटनकारी स्वरूप सामने आने लगा है बुजुर्ग लोगों को वृद्धा-आश्रम के हवाले सौंपने के पश्चात नौजवान पीढ़ी अपने एकल परिवार को लेकर अलग-अलग निवास करने लगी है और इसी के फल स्वरुप भारतीय संस्कृति तथा संस्कारो को नकारती हुई पाश्चात्य संस्कृति को आत्मसात करने में लगी हुई है। भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन तार्किक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। परंतु आज वर्तमान में हमने पश्चिम दर्शन से खोखला आधुनिकवाद ओढ़ लिया है ,हम ना अत्यंत आधुनिक ही हो सके हैं और ना ही सही-सही संस्कारित परंपरावादी ही बन पाए हैं हम हम पाश्चात्य दर्शन और भारतीय संस्कार और परंपरा के बीच त्रिशंकु बन कर झूल रहे हैं। विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को ईतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा।

भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम' वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं।

पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है। पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। जिससे भविष्य की बातों को जानकर जीवन को और अच्छा तथा बेहतर बनाने में मदद मिल सके।

वैसे पाश्चात्य संस्कृति में बहुत सी अहितकर बातें भी हैं, जैसे वसुधैव कुटुंबकम की भावना कमतर होते जा रही है। संयुक्त परिवार की प्रणाली का विघटन होते जा रहा है। पारिवारिक वातावरण संघर्ष तथा तनावपूर्ण होते जा रहा हैं। पाश्चात्य संस्कृति की नकल कर लोग परिवार से अलग होकर स्वतंत्र जीवन यापन करना पसंद करते हैं। उनमे विवाह विच्छेद और अन्य विसंगतियां जन्म लेने लगी हैं। धर्म तथा आध्यात्मिक के प्रति आमजन की सूचिता धीरे धीरे कम होते जा रही है। ऐशो आराम के सामान खरीदने के कारण लोगों के खर्चे अनाप-शनाप बढ़ चुके हैं। बुजुर्गों की इज्जत तवज्जो होनी कम हो गई है। दादा और नाती के संबंधों में अब वह गर्माहट शेष नहीं रह गई है, जैसी की एक सांस्कृतिक तथा नैतिक परिवार जनों में हुआ करती थी। धीरे-धीरे परिवार के सदस्य अलग होकर अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति एवं आध्यात्मिक प्रवृत्ति भूलती जा रही है। प्रेम विवाह तथा अंतर जाति विवाह पाश्चात्य सभ्यता के कारण बहुत बढ़ गए हैं। जिससे वैवाहिक संबंध टूटने के कगार पर आ जाते हैं। दूसरी तरफ पाश्चात्य सोच के कारण स्त्री सशक्तिकरण को बढ़ावा भी मिला है महिलाएं जहां पहले अपने घरों में कैद थी अब उन्मुक्त होकर शिक्षित होकर समाज में सफल होकर पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर व्यवसायिक दृष्टिकोण अपनाकर बड़े-बड़े पदों में कार्य कर रही हैं। समाज में खुलापन भी आ गया है। विकास रोजगार एवं मानवीय सोच में भी काफी विस्तार आया है, जो विश्व की सभ्यताओं में आज मौजूद है,जो भारत के विकास में सहायक भी हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि हमें आध्यात्मिक भारतीय परंपरा संस्कृति तथा पाश्चात्य दर्शन तथा पाश्चात्य संस्कृति की सकारात्मक बातें आत्मसात कर विकास की एक नई राह खोजनी होगी, एवं सदैव अच्छी बातों के लिए अपने मस्तिष्क को खुला रखना होगा और पाश्चात्य संस्कृति की विसंगतियों को दूर रख भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए।

संजीव ठाकुर
(वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक लेखक)
चिंतक स्तंभकार
रायपुर छत्तीसगढ़

पहले रूस नहीं, मणिपुर जाना चाहिए प्रधानमंत्री को!

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई 2024: हाल ही में अख़बारों में छपे समाचारों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने रूस का दौरा कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक उनकी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक होनी है। रूस और यूक्रेन के बीच शुरू हुए युद्ध के बाद ऐसा पहली बार होगा कि प्रधानमंत्री मोदी रूस जाएंगे। लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक कार्यकाल हासिल करने के बाद यह उनकी पहली रूस यात्रा भी होगी। लोगों का मानना है कि दूसरे देशों व भारत के दूसरे देशों की यात्रा के पहले प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर जाना चाहिए और वहां शांति स्थापित करने का प्रयत्न करना चाहिए। मणिपुर की जनता व विपक्ष का भी बार–बार आरोप रहा है कि प्रधान मंत्री मणिपुर की ओर ध्यान नहीं दे रहे है। संघ प्रमुख मोहन भागवत जी ने भी इस ओर ध्यान आकर्षित किया था। क्योंकि मणिपुर का मामला गंभीर होता जा रहा है।

हाल ही में हिंसाग्रस्त मणिपुर में कुकी-जो समुदाय ने अपने लिए अलग प्रशासन की मांग की है। इस संबंध में समुदाय के हजारों लोगों ने चुराचांदपुर, कांगपोकपी और टेंग्नौपाल जिलों में रैलियां आयोजित कीं। उनका कहना है कि हिंसा प्रभावित राज्य में शांति स्थापित करने के लिए उनकी मांग पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने पड़ोसी देश म्यांमार के साथ मुक्त आवाजाही व्यवस्था को रद्द करने के केंद्र सरकार के फैसले का भी विरोध किया।

केंद्र सरकार ने इस साल फरवरी में भारत-म्यांमार सीमा के 1600 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में बाड़ लगाने का फैसला किया था और ओपन मूवमेंट सिस्टम को समाप्त कर दिया था। भारत के पूर्वोत्तरी हिस्से के चार राज्यों-अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय और नागालैंड की सीमा म्यांमार के साथ लगती है। अब तक इधर के लोग म्यांमार की सीमा में और वहां के लोग भारतीय सीमा में बिना किसी रोकटोक के आते जाते थे।

कूकी-जो समुदाय के लोगों ने रैली के बाद, मणिपुर हिंसा के राजनीतिक समाधान की मांग करते हुए एक ज्ञापन चुराचांदपुर के उपायुक्त धारुन कुमार के माध्यम से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपा। इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (ITLF) ने इन रैलियों का आयोजन किया था। कुकी-जो समुदाय के लोगों ने चुराचांदपुर जिले में पब्लिक ग्राउंड से पीस ग्राउंड तक लगभग 3 किमी तक मार्च निकाला और 'राजनीतिक समाधान नहीं, तो शांति नहीं' जैसे नारे लगाए।

सैकोट से भाजपा विधायक पाओलीनलाल हाओकिप ने भी इस बात पर जोर दिया कि मणिपुर में स्थायी शांति के लिए, केंद्र सरकार को मैतेई और कुकी-जो समुदायों के मुद्दों को सुलझाने में सीधे शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने विभिन्न केंद्रीय चैनलों के माध्यम से लगातार शांति की मांग की है, फिर भी इस बारे में कोई स्पष्ट संदेश नहीं मिला है'। इसके साथ ही कांगपोकपी जिले में, आदिवासी एकता समिति ने थॉमस ग्राउंड में एक रैली आयोजित की।इस रैली में जिले भर के कुकी-जो लोगों ने 'राजनीतिक समाधान' की वकालत करते हुए पोस्टर और बैनर प्रदर्शित किए। रैली के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए दोनों जिलों में कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए थे। केंद्रीय और राज्य बलों को तैनात किया गया था। इसके अतिरिक्त, कुकी इंपी टेंग्नौपाल द्वारा टेंग्नौपाल जिले में भी इसी तरह की रैली आयोजित की गई।।

वहीं, मेईतेई बहुल इंफाल घाटी में सोमवार को ख्वाइरबंद इमा मार्केट की महिला विक्रेताओं के साथ 'शांति के लिए ख्वाइरबंद इमा कीथेल समन्वय समिति' के बैनर तले एक रैली भी देखी गई, जिसमें हिंसा को समाप्त करने के लिए तत्काल संसदीय हस्तक्षेप की मांग की गई। विरोध ख्वाइरबंद बाजार के केंद्र में शुरू हुआ, जहां सुबह-सुबह बड़ी संख्या में महिला विक्रेता एकत्र हुईं। उनकी शुरुआती योजना मणिपुर राजभवन और मुख्यमंत्री के बंगले की ओर मार्च करके अपनी मांगों के लिए दबाव बनाने की थी।

हालांकि, सुरक्षा बलों ने उनके प्रयास को विफल कर दिया, जिन्होंने कंगला किले के पश्चिमी द्वार के पास विरोध प्रदर्शन को रोक दिया और प्रदर्शनकारियों को वापस ख्वाइरामबंद बाजार की ओर मोड़ दिया।इससे बाद महिला विक्रेता बाजार में फिर से एकत्र हुईं और अपने-अपने बाजार शेड के सामने धरना दिया। महिला विक्रेताओं ने मणिपुर की एकता और अखंडता के संरक्षण का आह्वान करते हुए कुकी-ज़ो समुदाय द्वारा अलग प्रशासन की मांग का भी कड़ा विरोध किया।

उन्होंने मेईतेई गांव के वालंटियर्स को पकड़ने के उद्देश्य से सुरक्षा बलों द्वारा बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाने की कथित योजनाओं पर भी अपनी चिंता व्यक्त की। शांति समिति की सह-संयोजक हुइरेम बिनोदिनी ने विरोध के दौरान मीडिया को संबोधित किया और राज्य की मौजूदा उथल-पुथल पर मणिपुर के निर्वाचित विधायकों की चुप्पी पर दुख जताया।

उन्होंने कहा कि हमारे प्रतिनिधि उन लोगों के लिए आवाज़ उठाने में विफल रहे हैं जिनके लिए उन्हें काम करना चाहिए। उनकी चुप्पी मणिपुर के नागरिकों के लिए एक गंभीर अन्याय है जो डर और अनिश्चितता में जी रहे हैं। बिनोदिनी ने 14 महीने से चल रहे संकट को सुलझाने के लिए संसदीय कार्रवाई की अहम जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने यहां तक चेतावनी दी कि अगर सरकार मणिपुर संकट का जल्द से जल्द समाधान नहीं निकालती है तो मणिपुर के लोग और खुद राज्य भारत से अलग हो जाएगा।

हमने आपको हिंसा की हालिया घटनाओं के बारे में बताया। अब थोड़ा सा पीछे चलते हैं और समझते हैं कि इस हिंसा के पीछे की वजह क्या है, और इसकी शुरुआत कैसे हुई? सबसे पहले टकराव की वजह को समझ लेते हैं। और इसके लिए मणिपुर के भौगोलिक और समाजिक स्वरूप को समझना जरूरी है। भूगोल की किताबों में मणिपुर को दो हिस्सों में बांटा गया है। सेंट्रल वैली यानी घाटी और पहाड़ी इलाके। मणिपुर के 60 विधानसभा सीटों में से 40 घाटी में है। जो राजधानी इम्फाल सहित 6 जिलों में फैली है। जबकि बाकी की 20 सीटें 10 पहाड़ी जिलों में फैली है। घाटी राज्य के कुल क्षेत्र की महज 11 फीसद है। लेकिन 2011 की जनगणना के मुताबिक यहां राज्य की करीब 57 फीसद आबादी बसी हुई है। जिसमें मुख्यत: हिंदू बहुल मैतेई समुदाय का दबदबा है। पहाड़ी इलाकों में राज्य की 88 फीसद से ज्यादा जमीन और यहां करीब 43 फीसद आबादी की बसावट है। जिसमें 33 से अधिक जनजातीय समूह शामिल हैं। हालांकि इसमें मुख्य दो हैं नागा और कुकी। दोनों में इसाइयों की बहुलता है।

मैतेई, नागा और कुकी। तीनों समुदायों के बीच जातीय प्रतिद्वंद्विता का लंबा इतिहास रहा है। मैतेई समुदाय, मणिपुर का सबसे बड़ा समुदाय है। राज्य के शासन-प्रशासन में प्रभावी भी। विधानसभा की 60 में से 40 सीटों पर इनका दबदबा है। राज्य के सिस्टम को भी मैतेई समुदाय काफी प्रभावी तरीके से कंट्रोल करता है। लेकिन मैतेई के पास जनजातिय दर्जा नहीं है। और इसका नुकसान इस तरह से उठाना पड़ा है कि मैतेई समुदाय के लोग सेंट्रल वैली में ही सिमट कर रह गए हैं। क्योंकि पहाड़ी इलाके रिजर्व हैं। वहां जमीन खरीदने का अधिकार केवल जनजातीय समूहों को ही है। यानी मैतेई केवल राज्य के 11 फीसद इलाके में ही सिमटे हैं।

जनजातीय समूह के लोग कहते है कि घाटी के लोगों ने राजनीतिक वर्चस्व के दम पर राज्य में विकास के काम हथिया लिए। अब उनकी नजर जंगलों पर है। जबकि मैतेई समुदाय के लोग अपने लिए ST स्टेटस की मांग कर रहे हैं। ताकि सेंट्रल वैली के अतिरिक्त राज्य के अन्य इलाकों में जमीन खरीद सकें। ज़मीन के अलावा दूसरा प्रश्न है रोज़गार का। मणिपुर में उद्योग नहीं के बराबर हैं। खेती के लिए भूमि बेहद सीमित है। ऐसे में पक्की नौकरी का एक ही ज़रिया है - सरकार। इन सरकारी नौकरियों में सूबे के सभी समुदायों की दिलचस्पी है। ऐसे में मैतेई, जिन्हें ST आरक्षण नहीं मिलता, उनमें ये भावना पनप रही है कि नौकरियां उनके हाथ से चली जा रही हैं।

यहां हम ये बात रेखांकित कर दें कि मणिपुर में जनजातिय तनाव को सिर्फ ज़मीन और रोज़गार के चश्मे से देखना भूल होगी। मैदानों में बसे मैतेई, और पहाड़ों पर बसी कूकी-नागा जनजातियां, दोनों के भीतर जातिय अस्मिता और पहचान का गहरा बोध है। और दोनों समूह अपनी -अपनी पहचान को लेकर आक्रामक हैं। उसपर किसी तरह के अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं करते। खैर, हाल के तनाव पर लौटते हैं।

बीते दिनों मणिपुर हाईकोर्ट का एक फैसला आया। हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि राज्य सरकार, केंद्र सरकार से मैतेई समुदाय को ST स्टेटस दिलाने की सिफारिश करे। कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश प्राप्ति के 4 हफ्तों के भीतर सिफारिश करने का निर्देश दिया। इस फैसले ने मणिपुर का माहौल और गरम कर दिया। जनजातीय समूहों में राज्य की एन बीरेन सिंह की सरकार के खिलाफ पहले से ही नाराजगी थी। वजह थी राज्य में अफीम की खेती और जंगली इलाकों में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ चल रहा अभियान। जनजातीय समूहों का कहना था कि कार्रवाई के नाम पर बेगुनाह लोगों को टार्गेट किया जा रहा है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद सरकार के खिलाफ जनजातीय समूहों का प्रदर्शन तेज हो गया।वहां के लोगों का मानना है कि मणिपुर की शांति के लिए भले ही लगातार प्रयत्न का रहे है पर शांति नहीं हो रही है सो स्वयं प्रधानमंत्री को मणिपुर का दौरा कर व दोनों समुदाय से मिलकर शांति का प्रयत्न करना चाहिए।

अशोक भाटिया

जीवन में सम्बन्धों का महत्व

मैं रूठा, तुम भी रूठ गए/ फिर मनाएगा कौन?
आज दरार है,कल खाई होगी / फिर भरेगा कौन?
मैं चुप, तुम भी चुप / इस चुप्पी को फिर तोड़ेगा कौन?
बात छोटी को लगा लोगे दिल से / तो रिश्ता फिर निभाएगा कौन?
दुखी मैं भी और तुम भी बिछड़कर / सोचो हाथ फिर बढ़ाएगा कौन?

न मैं राजी, न तुम राजी / फिर माफ़ करने का बड़प्पन दिखाएगा कौन?
डूब जाएगा यादों में दिल कभी / तो फिर धैर्य बंधायेगा कौन?
एक अहम् मेरे, एक तेरे भीतर भी / इस अहम् को फिर हराएगा कौन?
ज़िंदगी किसको मिली है सदा के लिए?/फिर इन लम्हों में अकेला रह जाएगा कौन?
मूंद ली दोनों में से गर किसी दिन / एक ने आँखें....
तो कल इस बात पर फिर / पछतायेगा कौन?

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई 2024: संबंध बहुत ही कोमल होते हैं अगर दिल से निभाओ तो सालों साल चल जाते हैं और समझौते के साथ निभाओ तो कुछ ही पल के रह जाते हैं। कुछ संबंध मनुष्य के जीवन में बहुत ही अहम होते हैं जैसे पति पत्नी का संबंध, भाई बहन का संबंध, माता-पिता का संबंध और किसी अपने चाहने वालों का संबंध। जब कोई व्यक्ति अपने संबंध निभाने पर असफल रहता है तो या तो वह अपने आप को सबसे अलग कर लेता है या फिर कुछ और नए संबंध बनाकर अपने मन को संतुष्टि देने का प्रयास करता है। सम्बन्धों के उतार-चढ़ाव हमें यह बताते हैं कि हम उनके लिए कितने समर्पित हैं।

सम्बन्धों में आत्मसमर्पण का भाव होना सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह वह भाव है जिसमें मानव अपने संबंध को बचाने के लिए झुक जाता है और यही कारण है कि संबंध एक लंबे समय तक अपनी भूमिका बनाए रखता है। मनुष्य होने के नाते जीवन में संबंधों की बहुत महत्ता है। बिना किसी संबंध के मनुष्य हरे भरे बगीचे मे खड़े एक ठूंठ के समान होता हैं। न पत्ते, न फूल, न फल और न छाया। संबंध चाहे कोई भी हो,उसमें पूरी निष्ठा और ईमानदारी होनी चाहिये। संबंध में एक मनुष्य का दूसरे मनुष्य से भावनात्मक जुड़ाव हो जाता है। कुछ अपने कुछ दूसरे के सुख-दुख हम बांट सकते है। इससे हमारी खुशी बढ़ जाती है तो दुःख कुछ हल्का हो जाता है। संबंधों की संख्या अधिक हो यह कोई आवश्यक नहीं। लेकिन जिस किसी भी संबंध से आप जुड़े हैं उस संबंध को ईमानदारी से निभाएं, अन्यथा जो संबंध जीवन पर बोझ ही बन जाये तो ऐसे संबंधों का जीवन में क्या अर्थ है?

मानवीय संबंध रक्त के भी होते हैं और उससे बाहर भी। यह मन की उदारता और दूर तक देखने की दृष्टि है, जो संबंधों को व्यापक बनाती है। अनेक लोगों के साथ मन की भावनाओं को जोड़ना संकीर्णताओं से उबारता है। इससे नित नवीन प्रेरणाओं के अवसर उपलब्ध होते हैं और जीवन को समझने में सहायता मिलती है। जब सर्व मंगल की कामना जन्म लेती है, तो स्वयं का कल्याण उसी में निहित होता है। यह भावना जितनी व्यापक होती जाती है, स्वहित उतना ही दृढ़ होता जाता है। मनुष्य का यह स्वाभाविक गुण है कि वह अपने सुख और दुख दोनों को ही बांटना चाहता है। सुख बांटने से बढ़ता है और दुख कम होता है। आज बड़ी संख्या में लोगों की समस्या है कि दुख किसे सुनाएं और सुख की अनुभूतियों को कैसे प्रकट करें। अन्य लोगों की ईर्ष्या के कारण सुख की अभिव्यक्ति और उपहास के कारण दुख बताने से लोग प्राय: बचते हैं। इससे वे मानसिक ग्रंथियों का शिकार हो जाते हैं। जीवन असहज हो जाता है। यदि संबंध मजबूत और विस्तृत हों, तो इससे बचा जा सकता है।

संबंध जीवन को दिलचस्प बनाते हैं, किन्तु ऐसा तभी हो पाता है जब उन्हें सहेजने की भावना मन में हो। वास्तव में संबंध बनाना कोई कला नहीं है। किसी भी संबंध में जब निश्छल मन जुड़ता है, तभी वह सार्थक होता है। मन के संबंध के लिए किसी के गुणों को जानना आवश्यक है। मनुष्य का पहला और प्रमुख गुण है कि उसे भी परमात्मा ने ही रचा है। परमात्मा ही उसका भी पालन-पोषण कर रहा है। यह समानता एक बहुत बड़ा आधार है मानवीय संबंधों का। मन जब इस आधार को ग्रहण कर लेता है, तो उसकी उदारता सहज ही प्रकट होने लगती है। इस उदारता से ही संबंध बनते और स्थिर रहते हैं। जब तक यह मूल दृष्टि नहीं है कि सारे संबंध सदैव समस्या बने रहेंगे। मनुष्य इसी में उलझा रहेगा और जीवन विषम बनता जाएगा। निकट के अथवा रक्त संबंध भी दुखदायी साबित होंगे। रक्त संबंधी जैसी अवधारणा तो मनुष्य की रची हुई है। उसे याद ही नहीं है कि ऐसे कितने जीवन वह जी चुका है। कितने ही घर थे, कितने ही माता पिता, भाई बहन, पुत्र किस किस जीवन में रहे हैं, जो कल था वह आज नहीं है,जो आज है वह कल नहीं होगा, किन्तु अंतर्चेतना और उसकी दृष्टि रहेगी, जिसे जाग्रत करना होगा तभी सारा संसार अपना लगने लगेगा।

मनुष्य जीवन संबंधों से जुड़ा हुआ है। संबंधों के कारण ही मनुष्य जीवन में आगे बढ़ने की, सफलता पाने की, शिक्षित होने की, कार्य करने की इच्छा रखता है। यदि संबंध मधुर हों तो जीवन सुखमय व खुशहाल बन जाता है, किंतु संबंधों में खटास आते ही व्यक्ति भी टूट जाता है। संबंध आखिर बिगड़ता क्यों है? इसके पीछे व्यक्ति का अहं, सोच व उसका व्यवहार ही उत्तरदायी होता है। अध्यात्म और शांति के साथ कार्य करने वाले व्यक्तियों के संबंध अत्यंत सफल होते हैं। संबंध निभाना भी समझौतों का ही दूसरा नाम है। संबंध केवल खून के ही नहीं होते, भावनात्मक भी होते हैं। कई बार भावनात्मक संबंध अटूट बन जाते हैं, क्योंकि उनमें प्रेम, सामंजस्य, धैर्य, ईमानदारी का साथ होता है।

जीवन की व्यस्तताएं व्यक्ति को अलग करती हैं, लेकिन वर्तमान में जो स्थिति बन रही है उस पर विचार-मंथन करने की आवश्यकता है। जिंदगी में संबंध अहमियत रखते हैं, उनकी अपनी खास जगह होती है। आज से कुछ पहले जब जीवन भौतिकता से यांत्रिकता की ओर जा रहा था, तब भी मिठास कायम थी संबंधों की। मिल बैठकर एक दूसरे के दुख दर्द में हिस्सेदारी, सुख के पलों में मिल-बांटकर खुशियां मनाना- सब कुछ जीवन में मधुरस घोलते थे। आने वाले कल के लिए नई मिठास भरते थे। संबंधों से ही तो मानव सामाजिक प्राणी बना है। संबंधों ने ही उसे जीने का गुर सिखाया है, संबंधों से जीवन को नए दृष्टिकोण से देखने की प्रतिभा विकसित हुई है।

शीत के दिनों में पिछवाड़े खाट बिछाकर पत्तियों से छन कर आती गुनगुनाती धूप का मिलजुलकर आनंद लेना, शाम होते ही दादी-नानी के कंबल में घुसकर गरमाते हुए कहानी किस्से सुनना, माता-पिता के डांट डपट पर भी खेलते कूदते रहना, छुट्टी होने पर भी स्कूल के मैदान में दोस्तों संग खेलते रहना, लौटते वक्त मिलकर रास्तों की धूल उड़ाना, पत्थरों को पैरों से उछालना, घर पहुंचते ही साधु जीव बन जाना सब के साथ हुआ है, जो अब प्रौढ़ हैं और बुजुर्ग होते जा रहे हैं।

घर के बाहर मैदान में बैठ कर गपियाना, त्यौहारों में पकवानों का आदान-प्रदान, मिल बैठकर भाई बहनों के होमवर्क का महासंग्राम, सभी के साथ रसोई के बाहर बैठकर भोजन करना, किसी की तरकारी, किसी की रोटी, किसी की खीर, किसी के पकोड़े गायब हो जाना-कहां तक गिनायें। उस वक्त की हर करतूत में अजीब सी कशिश रहा करती। जीवन फर्राटे से चली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस की रफ्तार लिए हुई थी।

आज केवल औपचारिक रह गए हैं सारे संबंध। हर कोई भागदौड़ में व्यस्त है। बच्चे उम्र से पहले बड़े हो गए हैं, वैसे ही जैसे कली को फूल बनने से पहले उसे खींचतान कर फूल बना दिया जाए। भरा पूरा परिवार होने के बावजूद सुबह उठने से रात सोने तक कोई ऐसा नहीं रह जाता जिससे मन की बातें की जा सकें। जीवन को सारी प्रौद्योगिकी अपने कबंधी हाथों में लेकर दबाए जा रही है। बच्चे मोबाइल पर क्लासेज, कभी कार्टून या फिल्म देखते मिलेंगे। बड़े अल्लादीन के जादुई चिराग के जिन की तरह मोबाइल के गुलाम होकर कभी व्हाट्सएप, कभी फेसबुक, कभी फिल्में, कभी सीरियल, कभी बातें करते हमेशा व्यस्त हैं। इस तरह एक ही घर में कई कई घरों का एहसास होता है। आजकल पत्नी अलग मोबाइल में व्यस्त है, तो पति अलग मोबाइल पर बिजी। बच्चे भी खेल-कूद छोड़कर मोबाइल पर गेम्स खेलते नजर आते हैं। अपने मोबाइल, अपनी अलग दुनिया।

घर में मिल बैठकर खाना खाना, एक साथ बैठकर बतियाना, हंसी ठट्ठे सहित दोस्तों की महफिल, त्यौहार में समारोह-सारा कुछ जैसे आकाश कुसुम हो गए हैं, पुरानी कहानियों की घटनाएं और पात्र रह गए हैं। यह संबंधों में लगी सेंध है या भीड़ में भी अकेले होते शख्स की अपनी पहचान है।

स्वयं को इस मशीनी गुलामी, प्रौद्योगिकी की परतंत्रता, मोबाइल के मोह से बाहर आना होगा। खुले आसमान को देखे कितने दिन हो गए? खुली हवा में सांस लेते कितना वक्त गुजर गया? कुदरती खूबसूरती आंखों में भरे कितना समय निकल गया? सोचने की आवश्यकता है कि हम कहां से कहां पहुंच गए हैं। तभी नीरस जीवन में मधुरस भर सकेंगे, नवरस भर सकेंगे।

व्यस्तता संबंधों को तहस नहस करने का माद्दा रखती है। आइए थोड़ा वक्त निकालें, बाहर निकलें, खुली फिजा में कुछ अपनों से अपने बनकर मिलें, ताकि मानवीय मधुरता का आस्वादन कर सकें। खुद में इंसानियत का रस भर सकें।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)

यक्ष प्रश्न कलयुग का

हे धर्म राज यह भारत पूछ रहा आपसे यक्ष प्रश्न
संभव हो तो हल कर दो यह भारत के यक्ष प्रश्न ।।

चार भाई के जीवन खातिर आपने हल किए सारे यक्ष प्रश्न
आज इस कलयुग में क्यों नहीं हल कर रहे यह यक्ष प्रश्न ।।

माना भीम अर्जुन सा ना अब इस युग में है कोई बलवान
पर आप तो समदर्शी हैं इसका कहाँ आपको अभिमान ।।

उस युग में तो केवल चार जान थे संकट में
लेकिन आज तो पूरा भारत हीं है संकट में ।।

वहाँ तो केवल एक शकुनी जो गंदी चाले चलता था
यहाँ तो हर गली में शकुनि जो गंदी चाले चलता है ।।

वहाँ तो केवल एक दुर्योधन जिसको था सत्ता का भूख
यहाँ तो हर घर चौराहे पर दुर्योधन खोज रहा सत्ता का सुख ।।

एक धृतराष्ट्र मौन साधकर बुलाया कई संकट को
यहाँ तो धृतराष्ट्र का फौज खड़ा बुला रहा संकटों को ।।

एक शकुनी कंधार से आकर हस्तिनापुर मिटाने का रखा था दम
आज ना जाने कितने शकुनी भारत को मिटाने का करते जतन ।।

उन दुष्टों को तो झेल गए आप अपने दृढ़ विचारों से
अब इस भारत को कौन बचाए ऐसे कु विचारों से ।।

दुर्योधन संग एक दुशासन चीर हरण को था बेताब।
आज ना जाने कितने दुशासन चीरहरण को है तैयार ।।

उस युग में तो श्रीकृष्ण थे स्वयं विष्णु के अवतार
आज इस कलयुग में पूरा भारत हीं है निराधार ।।

सत्ता पाने के मद में सब के सब बन बैठे धृतराष्ट्र ।
भारत माता की गरिमा को कर रहे हैं तार-तार ।।

सेना की गरिमा को यह धूल धूसरीत करते हैं।
अपने खादी के काले छीटें को भारत माँ पर मढते हैं ।।

अगर उन्हें मौका मिले तो बोटी बोटी नोच कर खाएंगे ।
ऊपर से राक्षसी अट्टाहस कर हम आम जनता को डराएंगे ।।

जब आपने स्थापित किया खुशहाल शासन आपको भी ना इसका होगा एहसास।
एक दिन इस भरतपुर का होगा ऐसा खस्ताहाल ।।

अब जनता त्रस्त हो चुका ऐसा यक्ष प्रश्न झेल कर
बस आपसे यही निवेदन आम जनता को शांति देदो यक्ष प्रश्न हल कर ।।

यह ना कर सकते तो आपको पुनः धरा पर आना होगा।
संग अपने परीक्षित को लाकर पुनः एक कुशल शासक छोड़कर जाना होगा ।।3

कमलेश झा
भागलपुर बिहार
कोलफील्ड मिरर

मा है तो सब है

है जगजननी तेरे हैं रूप उपकार अनेक।
भक्त जनों के कष्ट हरे तू और जगाए विवेक।।

शव को तूने शिव बनाया,
निर्जीव को बनाया जीव।
तू ही कर्ता,तू ही भर्ता,
और तू ही है सजीव।।

पालनहारी, सृष्टि रचयिता,
तुझ बिन शून्य धरा।
तेरी कृपा से जग उजियारा,
और जहां हरा-भरा।।

तेरी कृपा से पृथ्वी लोक पर,
तुझे रिझाते हम प्रतिदिन।
तुम ही आराध्य हमारी करते,
विनती पल-पल क्षण क्षण।।

तेरे नाम अनेक है मैया,
तेरे नौ रूप हैं चर्चित।
पृथ्वी लोक के हम सब वासी,
तुझसे ही धन करते अर्जित।।

सब देवों की तू है शक्ति,
तेरे बिन है कुछ भी नहीं।
तेरी मंशा से सब जीते,
गाते भजते हम हैं यहीं।।

शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी,
चंद्रघंटा तू ही दुर्गा।
चारों दिशाओं में तू ही श्रेष्ठ,
तुम ही हो माता पूर्वा।।

हम बच्चे शरण तिहारी,
ओ माता जी कल्याणी।
तुझ बिन उद्धार ना होय हमारा,
कष्ट तू ही तो निवारिणी।।

डा कृष्णा जोशी
इन्दौर मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

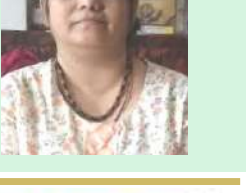

आधार केंद्र पर नया आधार कार्ड बनवाने एवं सुधरवाने लोगों की जुटी भीड़

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड मुख्यालय स्थित आधार केंद्र पर इन दिनों आधार कार्ड बनवाने और उसमें सुधार करवाने के लिए भारी भीड़ जुट रही है। विदित है कि इन दिनों राशन कार्ड का आधार कार्ड के साथ सत्यापन का कार्य किया जा रहा है।

जिसके चलते अधिकांश लोग अपने बच्चों को लेकर आधार कार्ड में त्रुटियां को सही करवाने या उससे जुड़े कार्य के लिए तथा आधार में मोबाइल एवं ईमेल जोड़ने, आधार में पता सुधारने, बायोमैट्रिक अपडेट करने ,जन्मतिथि सुधार करने सहित नया आधार कार्ड बनाने पहुंच रहे हैं। सोमवार को भी सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ सेंटर पर देखी गई। दोपहर तक बैठे लोगों का कहना था कि हम लोग सुबह से ही आकर के यहां लाइन में खड़े हैं। फिर भी आधार कार्ड में अपना काम करवाए बगैर वापस होना पड़ रहा है। कई महिलाओं ने बताया कि दैनिक मजदूरी का कार्य छोड़कर आधार कार्ड बनवाने अपने बच्चों को लेकर आए हैं। काम की धीमी गति से लगता है कि आज फिर वापस जाना पड़ेगा। आधार केंद्र में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मी जफर ने बताया की इन दिनों आधार कार्ड में कई प्रकार की त्रुटियां दूर किया जा रहा है। जिसके चलते काफी भीड़ जुट रही है। भीड़ अधिक हो जाने के कारण कई लोगों का काम नहीं हो पा रहा है।

लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मजबूत इरादे और कठोर- मेहनत करे- डॉ. शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (नई दिल्ली): नवोदय परिवार के ऑल इंडिया कोऑर्डिनेटर एवम राजस्थान रजक समाज के प्रमुख सीताराम नारनोलियां के निर्देशन में रजक समाज द्वारा कक्षा 12 से राज्य सेवा, भारतीय प्रशासनिक, पुलिस सेवा, डॉक्टर, इंजीनियर सहित अन्य राजकीय सेवाओं के लिए कंपीटिशन की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन 25 जून से आभासी पटल पर किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को लेकर युवाओं में भी काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

आज कैरियर काउंसलिंग में रजक समाज के युवाओं को संबोधित करते हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, अंतरराष्ट्रीय लेखक, पत्रकार -विचारक एवं धाराधाम इंटरनेशनल के धरा गवर्नर डॉ. शंभू पवार ने युवाओ को संबोधित करते हुवे कहा कि आप सभी रजक समाज और देश के भविष्य के निर्माता है। उन्होंने आह्वान किया की वे एक बार स्वामी विवेकानंद जी के विचारो को पुनः पढ़े और उनको अपने जीवन में आत्मसात करे। डॉ.पंवार ने स्वामी जी कोटेशन को बताते हुवे कहा कि "उठो जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए"। यह विचार अपने मन मस्तिष्क में फीड कर लीजिए। उन्होंने कहा कि आप जीवन के इस मुकाम पर है की अब आपको अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करना है। आप लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उसके अनुरूप कठिन मेहनत करे। अपने सपनों को साकार करने के लिए पूर्ण निष्ठा और लगन से कठोर मेहनत करे, कामयाबी आपके कदम चूमेगी। सफलता और असफलता जीवन के दो पहलू है। कंपीटिशन का दौर है, हो सकता है

प्रथम प्रयास में आप अपने लक्ष्य से 2 कदम दूर रह जाएं तो मन में निराशा या कमजोरी नही लाए। बल्कि यह मनन करें आपकी मेहनत में कहां क्या कमी रही है। और उस कमी को खोज कर पुनः एक नए जोश, उत्साह और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आगे बढ़े। कामयाबी अवश्य आपका वरण करेगी।

अंतरराष्ट्रीय विचारक डॉ. पंवार ने कहा आपकी सफलता केवल आपकी सफलता नहीं है। आपकी कामयाबी के पीछे आपके माता पिता और पूरे परिवार की आशाएं, दुआए और कामयाबी जुड़ी है। आप कामयाब होंगे तो पूरा परिवार, समाज, शहर, प्रदेश कामयाब होगा। आप कभी अपने आप को कमजोर नहीं समझे,की मैं यह नही कर सकता। आप सब कुछ कर सकते हैं। बस आवश्यकता है आपके मन में लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मजबूत इरादे और हौसले की। कठिन मेहनत पक्का इरादा हो तो सफलता अवश्य मिलेगी। यह मैं आपको विश्वास दिलाता हु। एक शेर कहा की- "वे लोग कायर होते है जो किस्मत के सहारे जीते है, मजबूत तो वो है जो अपना भाग्य खुद बनाते है" इसलिए किस्मत की बात नही करे और कठिन मेहनत करे।

कैरियर काउंसलिंग में पूर्व के सेशन में शिक्षा, पुलिस, भारतीय प्रशासनिक सेवा, राजस्थान प्रशासनिक सेवा, बैंक, अकाउंट्स आदि विभागों के अधिकारी ने काउंसलिंग कार्यक्रम में विद्यार्थियों उद्बोधन देने वालो में प्रमुख रूप से डॉ आर के बिनावारा, मेडिकल कॉलेज बीकानेर, विजय कुमार बसैठा जनरल मैनेजर बैंक ऑफ़ बडोदा, सी पी वर्मा असिस्टेंट कमिश्नर कस्टम और टैक्स, जय सिंह आईएएस मुख्य प्रेस सलाहकार मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, सुभाष चंद्र नारनोलिया राज्य स्तरीय उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित, रेनू बसेठा रेल मंत्रालय, नेहा नारनोलिया दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रदुमन कांकरोदिया प्रबंधक कोचिंग सेंटर बीकानेर, नारायण लाल वर्मा निरीक्षक सहकारिता विभाग जयपुर, रविराज वशिष्ठ केंद्रीय विद्यालय दिल्ली, शिक्षाविद नरेंद्र पंवार ,खंडेला, डॉ. भानु मोली मौर्य खंड विकास अधिकारी, झालावाड़, दिनेश चंद्र नायब तहसीलदार, डॉ.स्वयं प्रकाश वर्मा सेक्शन ऑफिसर, बाबूलाल हलदुनिया शिक्षाविद खाचरियावास, ओ.पी. सांभर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बूंदी, विजय सांखला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नसीराबाद, मनीष कुमार उप प्रबंधक स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, सावन कुमार बसेठा जयपुर विद्युत वितरण निगम, मनीष खोवाल सामाजिक न्याय एवम आधिकारिक विभाग, एच आर धनेतिया एसोसिएट प्रोफेसर कोटपुतली, डॉ मुकेश कुमार रजवानिया सीनियर चिकित्सक चोमू, समाजसेविका आंचल बशीठा, डॉ.अमित कांत फिजिशियन धौलपुर, रमेश भाटी राष्ट्रीय प्रवक्ता एनएसयूआई, राजू लाल बाड़ोलिया शिक्षक सांगानेर, गोविंद प्रकाश सांखला व्याख्याता जैसलमेर, सुश्री पूजा नर्सिंग ऑफिसर जसवंतगढ़, ऋषभ कुमार आईटी कोऑर्डिनेटर, सीताराम बारिया शिक्षक, डॉ अविनाश कुमार होम्योपैथिक चिकित्सक, दिनेश पंकज नर्सिंग ऑफिसर, मुकेश कुमार फार्मा फील्ड एक्सपर्ट, राकेश कुमार अकाउंटस ऑफिसर थे।

नहीं थम रही पश्चिम बंगाल में मॉब लिंचिंग से होने वाली हत्या

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (कोलकाता): केंद्र सरकार एक जुलाई से तीन नए क्रिमिनल कानून ला रही है. इस कानून में मॉब लिंचिंग के लिए मौत की सजा का प्रावधान रखा गया है. मॉब लिंचिंग पर कड़ी सजा के प्रावधान के बावजूद पश्चिम बंगाल में मॉब लिंचिंग से होने वाली हत्या थमने का नाम नहीं ले रही है. पिछले तीन दिनों में राज्य के विभिन्न इलाकों में पीट-पीटकर चार लोगों को मारने की घटना घटी है. इससे राज्य की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं.

राज्य में मॉब लिंचिंग के मामले लगातार बढ़ रहे हैं. बीते दिन दो लिंचिंग के मामले सामने आए थे. इसी बीच, आज दूसरी बार ऐसे ही दो मामले सामने आए हैं. कुल मिलाकर तीन दिनों में चार लोगों की हत्या के हो चुकी है. बंगाल में पिछले कई दिनों से चोरी के संदेह में पीट-पीटकर हत्या की घटनाएं हो रही हैं. शनिवार को कोलकाता के बऊबाजार में गवर्नमेंट हॉस्टल में मोबाइल फोन चोरी करने के संदेह में 47 साल के एक व्यक्ति को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था, फिर ऐसी ही एक घटना साल्टलेक से भी सामने आई थी. सोमवार एक बार फिर ऐसा ही मामला सामने आया है.

हुगली जिले में एक और लिंचिंग की घटना घटी है. यहां कथित तौर पर एक विवाद के चलते एक युवक की सड़क पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. हुगली के पांडुआ के द्वारबासिनी इलाके में ये घटना सामने आई है. यहां एक युवक की बाइक से दूसरे युवक को टक्कर लग गई, जिसके कारण विवाद हो गया. इस विवाद के चलते युवक को सीने पर काफी जोर से लात मारी गई. बाद में उसकी मौत हो गई.

स्थानीय पुलिस सूत्रों के मुताबिक पिछले गुरुवार को आशीष अपने दोस्तों के साथ बिषहरितला मेला देखकर बाइक से घर लौट रहा था. घर से कुछ ही दूरी पर गमुकपति इलाके में मनसा पूजा में माइक को लेकर हंगामा हो रहा था. वहां से गुजरते समय आशीष को एक ग्रामीण ने टक्कर मार दी. इस पर बहस शुरू हो गई. आरोप है कि आशीष को कॉलर पकड़कर बाइक से नीचे खींच लिया और बेरहमी से पीट दिया गया. यह भी आरोप है कि उसे सड़क पर गिरा दिया गया और सीने पर लात मारी गई. दोस्त किसी तरह उसे पकड़कर घर लेके आए. रात को आशीष के सीने में दर्द हुआ. इसके बाद उसे खून की उल्टियां होने लगी और अस्पताल ले जाते वक्त आशीष की मौत हो गई.

इसी बीच, एक और इसी तरह की घटना सामने आई है. यहां चोरी के आरोप में दो लोगों को पीटा गया था. पूरा मामला झाड़ग्राम के जंबोनी के खटपुरा इलाके का है. घटना 22 जून की है. यहां 9 दिनों के इलाज के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई थी. दूसरा अस्पताल में मौत से जूझ रहा है. खटपुरा इलाके में एक सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था. ठेकेदार की ओर से एक वाहन में सड़क निर्माण सामग्री भरी हुई थी. कथित तौर पर उस कार से सामान चोरी हो गया था. ऐसे में शक की उंगली दो युवकों पर उठी. फिर सभी को एक साथ बांध कर पीटा दिया गया.

पत्रकार सज्जाद आरिफ व शोएब अख्तर ने ली ईरा की सदस्यता

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (राँची): दुलमी से इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन में दुलमी प्रखंड के जुझारू पत्रकार सज्जाद आरिफ के सदस्यता लेने पर बधाई देने वालों का सिलसिला बदस्तूर जारी है. बधाई देने वालों में अंजनी कुमार ने बुके देकर बधाई दिया. इसने अलावे बधाई देने वालों में जयसवाल उर्फ बबलू, श्रीकांत महतो, सीताराम महतो, वासुदेव कुमार, मुखिया परमेश्वर राम पटेल, रविंद्र कुमार, वीणा देवी, राजीव मेहता, अरुण निशा, संजू चौधरी, प्रमिला देवी, मोनिका देवी, रंजू देवी, जुड़की देवी, शैलेंद्र चौधरी, नंदू महतो, प्रदीप सिंह आदि प्रमुख रूप से शामिल है। वहीं मांडू के वरिष्ट टीवी रिपोर्टर मोहम्मद शोएब अख्तर को पत्रकार बंधुओ ने शुभकामनाएं दिया.इसमें समाजसेवी बबलू सिंह, जावेद खान, सौरभ सिंह, राजू सिंह शामिल है. वहीं सज्जाद आरिफ ने कहा कि इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन संगठन (ईरा) के प्रदेश सदस्यता प्रभारी श्री एहसान मंजर जी का में आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने मुझे सदस्यता दिलाई, साथ ही साथ ईरा के तमाम आला पदाधिकारीयों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने कोयला ल ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों के हितो के लिए कोल इंडिया के चेयरमैन से लेकर सीएमडी तक 10 सूत्री मांग पत्र चरणबद्ध देकर कर दिन रात प्रयासरत है. जिससे पत्रकार साथियों को जो उनका हक व आधिकर है मिल सके. आशा व्यक्त किया कि क्षेत्र के तमाम पत्रकार इंडियन रिपोर्टर एसोसिएशन पत्रकार संगठन(ईरा) की सदस्यता लेकर संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे। संगठन आपके हक और अधिकार व आपके ऊपर होने वाले अत्याचार की आवाज को बुलंद करते हुए आपको न्याय दिलवाने का काम करेगी।

मदद फाउंडेशन ने गौरव हॉस्पिटल में किया डॉक्टर्स का सम्मान

डॉ. शंभू पंवार

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (चिड़ावा): डॉक्टर्स डे के अवसर पर अग्रणी सामाजिक संस्था मदद फाउंडेशन द्वारा गौरव हॉस्पिटल में डायरेक्टर तपेश त्यागी डॉ. कमलेश जगाती डॉ. रजनी प्रभा का सम्मान किया गया। इस अवसर पर हॉस्पिटल के डायरेक्टर तपेश त्यागी ने अपने संबोधन में कहा कि एक जुलाई को ही डॉक्टर्स डे मनाने की खास वजह यह है कि इस दिन महान चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती के साथ-साथ उनकी पुण्यतिथि का भी प्रतीक है। डॉक्टर्स डे का पहला उत्सव 28 मार्च, 1933 को विंडर, जॉर्जिया, संयुक्त राज्य अमेरिका में मनाया गया था। डॉ. रजनी प्रभा ने कहा की इस दिन को मनाने का मकसद डॉक्टर्स के योगदान, उनके कार्यों के बारे में लोगों को जागरूक करना है। जो अपने सुख-दुख को त्याग कर मरीजों के लिए जीते हैं। समाज को रोगमुक्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, तो उनके इस योगदान को सेलिब्रेट करना है। संस्था एडमिन गणपत सिंह ने बताया की डॉक्टर्स को भगवान का दर्जा दिया गया है कोविड संक्रमण के दौरान डॉक्टर्स ही थे, जो बिना अपनी जान की परवाह किए घंटे लगातार ड्यूटी कर रहे थे। कई डॉक्टर्स ने अपनी जान भी गंवा दी। इन डॉक्टर्स के बलिदान को भी आज के दिन याद किया जाता है। इस मौके पर डॉक्टर्स ने केक काट का एक दूसरे को खिलाया और संस्था की तरफ से उनको मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया.

इस अवसर भाजपा से राज शर्मा डॉ. विजयलक्ष्मी दीक्षित, सरोज कुमारी, सुनील शर्मा, साधना सेठी मौजूद रहे।

नियम-संयम से रहने पर साधना जल्दी और अच्छी बनती है

बम्बई के सेठ ने बताया निजी अनुभव, बाबाजी के आश्रम पर कोई दो महिना रह ले तो पेट भरने को हमेशा कमा लेगा और बड़े से बड़ा अपराधी माला पकड़ लेगा

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (रेवाड़ी/हरियाणा): बड़े-बड़े अपराधियों के हाथ में भी माला पकड़ा देने वाले, बच्चों में अच्छे संस्कार डालने वाले, जिनके मुख्य आश्रम का पता बाबा जयगुरुदेव आश्रम, जयगुरुदेव नगर, पिंगलेश्वर रेलवे स्टेशन के सामने, मक्सी रोड़, उज्जैन (मध्य प्रदेश) है, ऐसे इस समय के पूरे समरथ सन्त सतगुरु दुःखहर्ता, बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि बहुत संयम-नियम से साधकों को रहना चाहिए। जो संयम और नियम से रहते हैं, उनकी साधना जल्दी, अच्छे से बनती है। यहां तक कि कहा गया कि सतसंगी, भजनानंदी ही क्यों न हो, उसके यहां खाओ, पियो तो उसको भी अपने भजन में से देना पड़ेगा। यह लेना-देना तो होता ही होता है। कर्मों का लेना-देना तो चलता ही चलता है। यह तो नियम के अंतर्गत आ गया जैसे यहां लेना-देना होता है, जिसका लेते हो तो उसको देते हो, किसी को देते हो तो उससे लेते हो, किसी को खिलाते हो तो उसके घर जाने पर वो आपको खिलाता है, रिश्तेदार रिश्तेदार के यहां जाता है तो उसका स्वागत सत्कार उसी तरह से होता है। तो यह लेना-देना है। तो लेने-देने का तो यह संसार ही है।

इस लेना-देना में कर्मों की अदायगी होती है। अब वो कर्म तो आ ही जाते हैं तो बताया गया आपको, कर्म फांस छूटे नहीं, कर्म फांस कैसे छूटता है? गुरु के आदेश से, गुरु की बताई हुई युक्ति से, उपाय से छूटता है। समय-समय पर गुरु युक्ति बताते रहते हैं। जो जैसा होता है, उसको उस तरह का उपाय बताते रहते हैं। जैसे कोई छोटा बच्चा है, बहुत ज्यादा वजन उठा कर नहीं ले जा सकता है तो उसको हल्का-फुल्का काम बता देते हैं कि तो चल ये यही काम करले। देखो गुरु महाराज (बाबा जयगुरुदेव जी) आश्रम पर श्रमदान सेवा कराते थे तो छोटे-छोटे बच्चे आते थे, मिट्टी ढ़ोने लगते, करने लगते थे तो गुरु महाराज कहते थे इस (बच्चे को) को एक (मिट्टी का) ढेला दे दो, कहते थे इसको दे दो, ले जा कर वहां डाल आओ, तो उससे वही काम कराते थे। उस सेवा (करने) से जो फल मिलता है, वह उस बच्चे को मिलता रहा। क्या फल मिला उसको? उसके संस्कार ही इस तरह के बने कि हमको सेवा करनी चाहिए और सेवा की आदत बन जाती है। जो अपने घर में झाड़ू

लगाता है, कहीं भी झाड़ू लगाने में संकोच नहीं करेगा। और जो कभी झाड़ू लगाता ही नहीं, कोई काम नहीं करता, वह कहीं कुछ सीख भी नहीं पाता है। और वो तो इंतजार करता रहेगा कि हमारा कोई (दुसरा) काम कर दे, हमारा बिस्तर कोई लगा दे, हमारा बिस्तर कोई उठाकर हमारे साथ चले। अगर ऐसे लोग भी आ जाते हैं जो कुछ जानते समझते नहीं, नौकर सारा काम करते हैं, वो तो इंतजार करते हैं, उनको बताना पड़ता है कि ऐसे करो, वैसे करो। दूसरे का देख करके करते हैं। यह करते हैं तो हमको भी इसी तरह काफिले में करना चाहिए। लखनऊ में वाजिद अली बादशाह पर जब हमला हुआ तो भागे नहीं, पकड़े गए। तो लोगों ने पूछा आप क्यों नहीं भगे? बोले, कोई जूता पहनाने वाला नहीं था। जूता पहनता तब तो मैं भग जाता। ऐसे ही समझ लो आप कि वो कुछ सीख ही नहीं पाते, जान ही नहीं पाते। लेकिन जो सीख जाते हैं, उनको मालूम हो जाता है सब, वो तो कहीं भी सेट हो जाते हैं। पुरानी बात है, आश्रम पर बम्बई के एक बड़े सेठ आये थे, एक हफ्ता रहे, सब देखते रहे कहां क्या होता है। वो भी लगे सेवा में, मक्का की गुड़ाई में, पसीने से तर हो गए, क्योंकि कभी किये नहीं थे, सेवा में पिछड़ें तो बगल वाले उनका साथ दें। जब बम्बई लौटे, साथियों ने पूछा कहां एक हफ्ता बाबाजी के यहां बर्बाद किया? क्या जानकारी मिली? बोले मैंने दो चीजें देखा। वहां आश्रम पर अगर कोई दो महिना रह ले तो भूखा नहीं मरेगा, पेट भरने को अपना कमा लेगा, वहां कोई शर्म लिहाज नहीं रह जाता है। वहां तो सब काम सब लोग करते हैं। तुमने क्या किया? बोले मक्के की गुड़ाई कर के आये। दूसरी चीज? बम्बई के सभी बदमाश, चोर, माफिया, डकैत, सभी अपराधियों को वहां बाबाजी के यहां दो महीना कर दिया जाय तो सब सुधर जायेंगे, जो असलहा लिए रहते हैं, गोली चला देते हैं, सब माला पकड़ लेंगे। ऐसे बाबा हैं, न विश्वास हो तो पता देता हूँ, खुद देख आओ।

साधना में शरीर और मन को साधना होता है

अब तो साधना कुछ है नहीं ज्यादा, कुछ नहीं। दो चीज तो साधना है। शरीर को साधो और शरीर जब सध जाएगा तो मन को साधो। शरीर और मन सध गया तो सब सध गया। तब फिर समझो सब बात बन जाएगी। तो अभी आप शरीर को बैठने की आदत डालो, घाट पर बैठो चाहे (अंदर में कुछ दिव्य) दिखाई पड़े न, दिखाई पड़े लेकिन जगह न छोड़ो, बैठने की आदत न छोड़ो, अंदर में घाट न छोड़ो। कहा गया है- पड़ा रहे दरबार में, धक्का धनी का खाए, कभी तो गरीब नवाजे, जो दर छाड़ न जाए।

शहीद शक्ति नाथ महतो के आदमकद प्रतिमा को नव निर्मित स्मारक मे स्थापित किया गया

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (धनबाद): शहीद शक्ति नाथ महतो चौक मे झारखंड के वीर सपुत क्रांतिदूत शहीद शक्ति नाथ महतो जी के आदमकद प्रतिमा को नव निर्मित स्मारक मे ढोल नगाडे एवं गाजे बाजे तथा गगन भेदी नारो के साथ स्थापित किया गया. कार्यक्रम मे मुख्य रूप से झारखंड सरकार के पुर्व मंत्री सह टुंडी के विधायक मथुरा प्रसाद महतो, मासस के केन्द्रिय महासचिव हलधर महतो, पाषर्द छोटु सिंह, पुर्व पार्षद बिरजू बाउरी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के कंचन महतो जी, राजेनद्र प्रसाद राजा झारखंड आंदोलनकारी महादेव महतो, बाघमारा प्रखंड के पुर्व अध्यक्ष रतिलाल टुडू, मनोज कुमार महतो, मुखिया अशोक ठाकुर, भाजपा नेता पियुष तिवारी, अयोध्या कर्मकार, शिव प्रसाद महतो प्रफुल मंडल, गोतम महतो, दिनेश महतो, दयानन्द महतो, दीपक महतो, घलटु तिर्गुणाइत, सपन पंडित, लोकनाथ महतो, मंटु कुम्हार, चन्दन महतो, बिमल कुमार महतो,, गणेश चौहान, बडा बाबु, करमचंद महतो, बैजनाथ महतो, उतम महतो, लखन महतो, सीता राम सिंह, कांशी तुरी, देवेन्द्र राणा, नयन रवानी जगरनाथ रवानी, प्रदिप ठाकुर, हीरा सिंह, रामु महतो सहित स्मारक समिति के सभी सदस्य के साथ साथ साज के अधिकारी एवं रोड प्रबंधन के लोग उपस्थित थे।

स्वास्थ्य शिविर में मरीजों का हुआ निःशुल्क आँख जांच

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड के लकड़ाकोल गाँव में रामकिशुन डिफेंस सेवा ट्रस्ट और बुनियाद केंद्र कहलगांव के संयुक्त तत्वावधान में समाज कल्याण विभाग बिहार सरकार की ओर से मुफ्त नेत्र व मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन किया गया। बुनियाद केंद्र में पदस्थापित नेत्र चिकित्सक डॉ० कैलाशपति सिन्हा के द्वारा विभिन्न गांव से पहुंचे भारी संख्या में लोगों का नेत्र जांच किया गया व उचित परामर्श दिया गया। इस दौरान बुनियाद केंद्र के केस मैनेजर चंद्रशेखर कुमार, लेखापाल प्रियंशा कुमारी सहित अन्य बुनियाद कर्मियों के द्वारा अपनी -अपनी भूमिका को बखूबी निभाया गया। इस दौरान संस्था के संयोजक सेवानिवृत्त सैनिक भीम नारायण यादव, देवनाथ यादव, भोला यादव, रामजी यादव, विष्णु यादव सहित अन्य सेवानिवृत्त सैनिकों ने शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

थाने में कार्यक्रम आयोजित कर पुलिस अधिकारियों ने दी नए कानून की जानकारी

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: देशभर में अंग्रेजों के जमाने से लागू पुराने आइपीसी, सीआरपीसी व साक्ष्य कानून की जगह भारतीय संसद से पारित तीन नए अपराधिक कानून को सोमवार 01 जुलाई 2024 से लागू कर दिया गया। नए कानून में अब भारतीय दंड संहिता 1860 की जगह भारतीय न्याय संहिता 2023, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को लागू किया गया है। एसएसपी के निर्देश पर थाना परिसर में एसडीपीओ डॉ० अर्जुन कुमार गुप्ता व थानाध्यक्ष नीरज कुमार के द्वारा बुद्धिजीवियों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं, महिलाओं, समाजसेवियों व गणमान्य लोगों से संवाद स्थापित कर नये कानून से संबंधित प्रावधानों की जानकारी दी गई। महिला पुलिस अधिकारी नंदनी कुमारी ने भी महिलाओं व बच्चों को दिये गये अधिकारों व कर्तव्यों की जानकारी दी। इस दौरान अधिकारियों ने डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य पर फोकस व ज़ीरो एफआईआर की जानकारी दी। वही कार्यक्रम में एसडीएम अशोक कुमार, बीडीओ अभिमन्यु कुमार, सीओ मनोहर कुमार, प्रखंड प्रमुख रश्मि कुमारी सहित विभिन्न पंचायत से पहुंचे भारी संख्या में पुरुष एवं महिला उपस्थित थे।

श्यामसुंदर यादव के जन्मदिन पर श्रमशिविर इंटक कार्यालय में स्वागत

मदन वर्मा

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (इंदौर): राष्ट्रीय इंटक के उपाध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश इंटक के महासचिव श्यामसुंदर यादव का आज एक जुलाई को उनके 83 वर्ष पूर्ण कर 84 वें वर्ष में प्रवेश करने पर जन्मदिन पर म.प्र. विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन (इंटक) इंदौर की ओर से फुलमालाएं पहनाकर व गुलदस्ता भेंटकर स्वागत, अभिनंदन किया गया।

स्थानीय वरिष्ठ इंटक पदाधिकारी श्रीमती सुनीता यादव, गोपाल शर्मा, मधुसूदन काम्बले, हरनाम सिंह धारीवाल, लक्ष्मीनारायण पाठक सहित उपस्थित जनों ने श्री यादव को बधाईयां एवं शुभकामनाएं दी। इस मौके पर अपने संबोधन में फेडरेशन के एनके यादव ने उनके सदैव स्वस्थ व दीर्घायु होने की कामनाएं अभिव्यक्त की। इंदौर स्थित इंटक कार्यालय, श्रम शिविर पर हुए कार्यक्रम में फेडरेशन के मदन वर्मा, जेएल जोशी, उम्मेदसिंह राजपूत, सीताराम लांबोले आदि व दूर-दूर से आए इंटक के व अन्य कर्मचारी संघों के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल हुए।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL – 713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

खरीफ चौपाल में किसानों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की दी गई जानकारी

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के बन्धुजयराम पंचायत के खानपुर में खरीफ चौपाल का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य किसानों के बीच कृषि विभाग द्वारा किसान उपयोगी बिभिन्न योजनाओं एवं नए तकनीकी जानकारी देना है। इस दौरान उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी सहायक तकनीकी प्रबंधक प्रीतम कुमार राय द्वारा दी गई।

प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक परमेश्वर कुमार सिंह ने मिट्टी जांच विधि, उपयोगिता, पीएम किसान सम्मान निधि का ई केवाईसी, एनपीसीआई लिंक करवाने सहित अन्य जानकारी किसानों के बीच दी। लेखापाल गौरव पासवान ने कहा कि ई किसान भवन में बीज वितरण का कार्य चल रहा है। इक्षुक किसान बीज का उठाव ई किसान भवन पीरपैंती से कर सकते है।

तथ्ययात्मक वचन

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई 2024: कुछ तथ्ययात्मक वचन जैसे यह सच हैं कि बहुत कम लोग जानते हैं कि वे बहुत कम जानते हैं। ज्ञान में अहंकार उसी प्रकार मिश्रित होता है जिस प्रकार दूध में पानी, वास्तविक ज्ञानी हंस के समान होता है, जो ज्ञान तो प्राप्त करता है किन्तु उसके साथ मिश्रित अहंकार त्याग देता है, अतः अहंकार रहित ज्ञान ही आत्म-ज्ञान की प्राप्ति का मार्ग है जिस पर चलता हुआ व्यक्ति ईश्वर साक्षात्कार के लक्ष्य तक पहुँचता है। ज्ञान से जीवन का पथ आलोकित बनता है। ज्ञान का सूरज हर कदम पर साथ चलता है पर अहंकार का राहू जब डस लेता है सूरज को तो भरी दुपहरी मे भी सबकुछ धुंधला लगता है। खुद को क्या करना उसका तो पता ही नहीं हैं पर दूसरे को क्या करना चाहिए बड़े आत्मविश्वास से कहते हैं मानो केवल वही सही-सही जानते हैं। जो धूप स्नान करते हैं उन्हें गर्मी बहुत अच्छी लगती है वंहि जिसका गर्मी के मारे पसीना बहता है उन्हें गर्मी बहुत ख़राब लगती है। पर्वतारोहियों को पहाड़ बहुत अच्छे लगते हैं तो किसी को चढ़ाई होने के कारण पहाड़ पर बसना ख़राब लगता है। किसी को जंगल में शिकार करना या सफ़ारी यात्रा करना अच्छा लगता है तो किसी पैदल यात्री को काँटा चुभने के डर से जंगल ख़राब नज़र आता है। इस संसार में हर किसी चीज़ को देखने के सकारात्मक और नकारात्मक नज़रिये होते हैं। जिसको उपयोगी लगता है वो उसे सकारात्मक नज़रिये से देखता है और जिसको किसी भी वस्तु में उपयोगिता नज़र नहीं आती या उसे परेशानी नज़र आती है वो उसे नकारात्मक नज़रिये से देखता है। इसलिए किसी भी वस्तु में अपने उपयोगिता से मत सोचो कि इसमें यह ख़राबी है। अपने सोचने का दृष्टिकोण बदलो कि कंहि तो यह किसी के लिये ज़रूर उपयोगी होगी। उसमें कमी की जगह अच्छाईयां देखो। विडंबना तो देखिए लिबासों का शौक रखने वाले आदि अपने आखिरी वक्त में यह भी नहीं कह पाएँगे कि यह कफ़न ठीक नहीं हैं। यह कोई नहीं बता सकता कि उसकि आख़िरी साँस कौन सी होगी। हर व्यक्ति यही सोचता है कि अभी मेरे जाने का समय आया नहीं।यह मिथ्या है। वर्तमान समय भौतिक्ता वाला है।इस चकाचौंध भरी दुनियाँ में दौलत के पीछे इंसान इस क़दर पागल हो गया कि वो धन प्राप्त करने के चक्कर में अपना सुख-चैन खो रहा है। जीवन में असली सुख की परिभाष देखनी है तो हम्हें देखना चाहिये हमारे पूर्वजों का जीवन। उनका जीवन सादा, सरल, सच्चा और संतोषी था। बड़ा परिवार होने के बावजूद वो अपना जीवन शांति से बिताते थे। इसलिये कहा है की जो कमाया वो साथ जायेगा नहीं, आप उसे पूरा खर्च भी नहीं कर पाओगे और कौन सी साँस आख़िरी होगी वो भी हम नहीं जानते।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड़

छः वर्ष से बड़े बच्चों का, स्कूल में नाम लिखवाना है

(शेर)- छः वर्ष की आयु से ज्यादा, उम्र के बच्चें अशिक्षित नहीं रहें।
नाम लिखवाओ इन बच्चों का स्कूल में, ये शिक्षा से वंचित नहीं रहें।।

छः वर्ष से बड़े बच्चों का, नाम स्कूल में लिखवाना है।
स्कूल भेजकर इन बच्चों को, शिक्षित जरूर बनाना है।।
छः से बड़े बच्चों का-----------------------------------।।

आया है प्रवेशोत्सव, यह उत्सव सभी मनायें हम।
इस प्रवेशोत्सव में सहयोग का, हाथ सभी बढ़ाये हम।।
इस प्रवेशोत्सव का संदेश, घर-घर में पहुंचाना है।
छः से बड़े बच्चों का----------------------------।।

निःशुल्क शिक्षा और पुस्तकें हैं, सरकारी स्कूलों में।
योग्य प्रशिक्षित शिक्षक हैं, इन सरकारी स्कूलों में।।
सरकारी विद्यालयों का महत्त्व, जन जन को बतलाना है।
छः से बड़े बच्चों का--------------------------------।।

जैसे कि जरूरी है भोजन, जिन्दा रहने के लिए।
वैसे ही जरूरी है शिक्षा भी, जीवन जीने के लिए।।
अशिक्षित लोगों का तो अब, रहा नहीं जमाना है।।
छः से बड़े बच्चों का--------------------------।।

पढ़ने की उम्र में बच्चों से, मजदूरी नहीं करावो तुम।
शिक्षा से बच्चों का भविष्य, उज्ज्वल बनाओ तुम।।
घर, समाज और देश को, यदि शिक्षित बनाना है।
छः से बड़े बच्चों का---------------------------।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

वर्षा की छवि न्यारी

ताने छाता मेघों की
आकाश वर्षा में है व्यस्त
पाकर ठंडक और
जलमग्न हुई धरती
आश्वस्त

जीवन-अमृत की बूंदें
पाकर हर्षित सारे मानव
स्तब्ध परिसर में बसा
ध्वनित वर्षा का कलरव
होने लगा है आज फिर से
चंचल मन मदमस्त

पत्ता पत्ता बूटा बूटा
गुनगुनाए ये नया गीत है
बदली औ धरती ने मिल
निभाई अपनी प्रीत है
आओ करें हम घृणा और
निर्दयता को ध्वस्त

कोटर में छिपी गिलहरी
झांकें है जलमय जग
डाल फूल कलियां ढूंढे
कहां छिपे सारे खग
सारा जीवन ज्यों हुआ हर
जगह अस्तव्यस्त

सुनसान सी पगडंडी भींगे
सारा नया नया दीखे
भुलाकर भेदभाव
अपनाना कुदरत से सीखें
करें मिलकर आज हम
सारी शत्रुता का अस्त

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)
कोलफील्ड मिरर

जिस्म में सारे अब तो बिजलियां मचलती है

चांदनी तारों से सजी खुशनुमा सी लगती है,
रात के सन्नाटे में पायलें ज़ोर से ख़नकती हैं,

इंतेज़ार की तुमने तो इंतेहा ही कर डाली,
कली कोई करवटें किस तरह बदलती है,

जिस्म का हर अज़ु, देखिये कैसे मुस्कुराता है,
आमद से उनके आंखों में रौशनी चमकती है,

इंतेज़ारे यार है, बैचैनियां तो बढ़ेंगी ही हमारी,
निगाहे नाज़ ये दरवाज़े पर ही रहा करती हैं,

ख़त लेकर आज उनका कोई ज़रुर आयेगा,
तेज़ बहुत तेज़ दिल की धड़कनें मचलती हैं,

इंतेज़ार ख़त्म हुआ, "मुश्ताक़" आगए देखो न,
जिस्म में सारे अब तो बिजलियां,मचलती हैं,

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
"सहज़" हरदा मध्यप्रदेश
कोलफील्ड मिरर

अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्ट 2023-भारत ने सिरे से खारिज किया

भारत ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट 2023 को, पक्षपाती व भारत के सामाजिक ताने-बाने की समझ का अभाव बताया

अंतरराष्ट्रीय सूचकांकों व रिपोर्टों में भारत को रैंकिंग में पिछड़ा व खास नॉरेटिव से गड़ने को रेखांकित कर उपाय ढूंढना जरूरी-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर पिछले कुछ वर्षों से दुनियां देख रही है कि भारत के बढ़ते विकास प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य, अंतरिक्ष सहित सभी क्षेत्रों में इतिहास रचने की गाथा के नए-नए अध्याय जोड़ गए हैं, जिसमें भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा में चार चांद लगे हैं। विकसित देश भारत को बॉस व ऑटोग्राफ लेने की नजरों से देखते हैं, उसके बाद भी दशकों से हम देख रहे हैं कि विभिन्न क्षेत्रों में आए वैश्विक सूचकांकों व रिपोर्टों में भारत को अति पिछड़ा बताया जाता है। कई सूचकांकों व रिपोर्ट्स में यहां तक के हमारे पड़ोसी मुल्कों से भी हमारा सूचकांक बहुत नीचे होता है, जो सरासर दिखता है के कहीं ना कहीं कोई मिस्टेक जरूर हुई है, उसके बाद भारत उन सूचकांकों व रिपोर्ट्स को खारिज करता है। जिसपर वे एजेंसियां अपने डाटा दिखाती है,जिसके आधार पर उन्होंने रिपोर्ट्स बनाई है। यह बात आज हम इसीलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 26 जून 2024 को अमेरिकी विदेशी विभाग द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट 2023 जारी की गई है, जो 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2023 अवधि में लिए गए डाटा कलेक्शन के आधार पर तैयार की गई है, जिसमें खास नॉरेटिव ग़ढ़ते हुए चुनिंदा घटनाओं को बताया गया है, व अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत बढ़ाने की बात कही गई है। इस रिपोर्ट को दिनांक 28 जून 2024 को साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश विभाग के प्रवक्ता ने सीधे तौरपर खारिज कर दिया हैबता दें इस रिपोर्ट में अमेरिका ने धार्मिक स्वतंत्रता पर उंगली उठाते हुए भारत को फटकार लगाई है। मीडिया में आई इस रिपोर्ट के अनेक हिस्सों को मैंने पढ़कर यह पाया कि इसमें मणिपुर हिंसा, धारा 370, मोब लिंचिंग, बुलडोजर, गैर सरकारी संगठनों द्वारा ईसाईयों के खिलाफ हिंसा सहित अनेक मामलों को शामिल किया गया है। हालांकि यह रिपोर्ट उपलब्ध डाटा के आधार पर बनाई गई होगी परंतु मेरा मानना है कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष व अनेक जाति धर्म के मिले-जुले तानों बानो से बना देश है जिसकी यह सबसे बड़ी उपलब्धि है कि सब एक साथ रह रहे हैं। वैसे तो बर्तन भी खनखनाते रहते हैं तो आवाज जरूर आती है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह साथ रहने के बाद भी बर्तन खूब टकराते हैं, व एक टोकनी में रहना पसंद नहीं करते, अगर कुछ दंगों के उदाहरण हैं तो कुछ अच्छी बातों के भी उदाहरण है। चूंकि अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा दी गई रिपोर्ट 2023 को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया है, व भारत ने अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा जारी धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट 2023 को पक्षपाती व भारत के सामाजिक ताने-बाने की समझ का अभाव बताया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अंतरराष्ट्रीय सूचकांकों और रिपोर्टों में भारत को रैंकिंग में पिछड़ा व खास नॉरेटिव से गड़ने को रेखांकित कर उपाय ढूंढना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम 26 जून 2024 को जारी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट 2023 को समझने की करें तो, दुनियां भर में धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने साल 2023 के लिए अपनी रिपोर्ट जारी की है। अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर सालाना रिपोर्ट जारी करते हुए अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया भर में लोग इसकी रक्षा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।इस रिपोर्ट में दुनिया के क़रीब 200 देशों में धार्मिक स्थिति का आकलन किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आज की तारीख़ में करोड़ों लोग धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान नहीं कर रहे हैं।रिपोर्ट के मुताबिक़ भारत में हेट स्पीच, धार्मिक रूप से अल्पसंख्यक समुदायों के घरों और पूजास्थलों को ध्वस्त करने के मामले बढ़े हैं।रिपोर्ट में भारत धर्मांतरण विरोधी क़ानून को लेकर भी चिंता जताई गई है। रिपोर्ट के मुताबिक़ भारत में साल 2023 में भी धार्मिक स्वतंत्रता की स्थितियां लगातार ख़राब रही हैं।इसमें कहा गया है कि सत्ताधारी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने भेदभावपूर्ण राष्ट्रवादी नीतियों को बढ़ावा देने का काम किया, जिसने समाज में घृणा को बढ़ाने का काम किया है।रिपोर्ट कहती है कि अल्पसंख्यक धर्मों के ख़िलाफ हो रही सांप्रदायिक हिंसा से निपटने में पार्टी नाकाम रही है। रिपोर्ट के मुताबिक़ भारत में यूएपीए, एफसीआरए, सीएए, धर्मांतरण विरोधी और गोहत्या को लेकर जो क़ानून हैं, उनके चलते धार्मिक अल्पसंख्यकों और उनकी वकालत करने वालों लोगों को निशानाबनाया गया है।रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन भी न्यूज़ आउटलेट या एनजीओ ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को लेकर बात की है, उन पर एफसीआरए के तहत सख्त निगरानी रखी गई है।इसमें सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च नाम की एक एनजीओ के एफसीआरए लाइसेंस को फ़रवरी, 2023 में रद्द करने का ज़िक्र किया गया है।रिपोर्ट के मुताबिक़ ये

एनजीओ सामाजिक, धार्मिक और जातीय स्तर पर हो रहे भेदभाव पर रिपोर्ट करने का काम करते हैं, लेकिन गृह मंत्रालय ने इसका एफसीआरए लाइसेंस रद्द कर दिया।इसमें कहा गया है, इसी तरह अधिकारियों ने न्यूजक्लिक के पत्रकारों के घर और दफ्तरों पर छापेमारी की इसमें तीस्ता सीतलवाड़ भी शामिल हैं,जिन्होंने साल 2002 में हुए गुजरात दंगों के समयएक धर्म विरोधी हिंसा पर रिपोर्टिंग की थी। रिपोर्ट के मुताबिक़ साल 2023 में भारत में ग़ैर सरकारी संगठनों नेएक विशेष धर्म के ख़िलाफ हिंसा की 687 घटनाओं का ज़िक्र किया, जिसमें लोगों को धर्मांतरण क़ानून के तहत हिरासत में रखा हुआ है।इन घटनाओं के कुछ उदाहरण भी रिपोर्ट में दिए गए हैं। धार्मिक स्वतंत्रता वाली इस रिपोर्ट में मणिपुर हिंसा का भी ज़िक्र है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून 2023 में मणिपुर राज्य में हिंसा हुई, जिसके चलते हज़ार लोगों को विस्थापित होना पड़ा।रिपोर्ट के मुताबिक़ इस हिंसा के लिए देश के गृह मंत्री को बड़े पैमाने पर आलोचना का सामना करना पड़ा, जिसमें यूएन के विशेषज्ञ भी शामिल थे।उनका कहना था कि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई।इसके अलावा मणिपुर में जारी हिंसा के चलते देश को अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा।साल 2019 में केंद्र की सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटा दिया था, जो राज्य को कुछ विशेष अधिकार देता था। साथ ही केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बाँट दिया था।रिपोर्ट के मुताबिक़ सितंबर महीने में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सिख एक्टिविस्ट हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय अधिकारियों के शामिल होने का आरोप लगाया था।इसके बाद नवंबर महीने में अमेरिका में गुरपतवंत सिंह पन्नू को मारने की भी कोशिश की गई।इससे पहले 2021 में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने धार्मिकस्वतंत्रता का उल्लंघन करने वाले देशों के लिए 'कंट्रीज़ ऑफ़ पर्टीकुलर कंसर्न' यानी सीपीसी की सूची जारी की थी।धार्मिक आज़ादी का आकलन करने वाले एकअमेरिकी पैनल 'यूएस कमिशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजियस फ्रीडम' के इस लिस्ट में भारत का नाम शामिल करने का सुझाव दिया था लेकिन इसके बावजूद बाइडन प्रशासन ने भारत का नाम सूची में शामिल नहीं किया था।इस सूची में पाकिस्तान, चीन, तालिबान, ईरान, रूस, सऊदी अरब, एरिट्रिया ताज़िकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और बर्मा सहित 10 देशों को शामिल किया गया था। इससे पहले जारी हुई रिपोर्ट्स में भी इसी तरह की बातें कही गई थीं।

साथियों बात अगर हम भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी रिपोर्ट 2023 को खारिज करने की करें तो,भारत ने इसे बेहद पक्षपातपूर्ण बताया है। 28 जून 2024 को नई दिल्ली में मीडिया को जानकारी देते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इसमें भारत के सामाजिक ताने-बाने की समझ का अभाव है और यह स्पष्ट रूप से वोट बैंक के विचारों और एक निर्देशात्मक दृष्टिकोण से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास अपने आप में आरोप-प्रत्यारोप, गलत बयानी,तथ्यों काचयनात्मक उपयोग, पक्षपाती स्रोतों पर निर्भरता और एकतरफा सोच का मिश्रण है, जिसमें अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत बढ़ने की बात कही गई थी। एक खास तरह की नैरेटिव गढ़ने के लिए इस रिपोर्ट में चुनिंदा घटनाओं को चुना गया है।धार्मिक स्वतंत्रता पर ज्ञान दे रहे अमेरिका को भारत ने फिर लगाई फटकार, कहा-पुरानी घटनाओं के माध्यम से गढ़ा गया नैरेटिव। उन्होंने आगे कहा कि रिपोर्ट भारतीय न्यायालयों द्वारा दिए गए कुछ कानूनी निर्णयों की अखंडता को भी चुनौती देती प्रतीत होती है, जैसा कि पहले भी कई बार हुआ है,अमेरिका द्वारा जारी यह रिपोर्ट बहुत ही पक्षपातपूर्ण है। अमेरिकी रिपोर्ट अपने आप में आरोपों, गलत बयानी, तथ्यों के चयनात्मक उपयोग, पक्षपातपूर्ण स्रोतों पर निर्भरता और मुद्दों के एकतरफा प्रक्षेपण का मिश्रण है। रिपोर्ट में एक खास तरह की नैरेटेव को गढ़ने के लिए पुराने घटनाओं का हवाला दिया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट स्पष्ट रूप से वोट बैंक के विचारों और एक निर्देशात्मक दृष्टिकोण से प्रेरित है। हालांकि भारत इस तरह की रिपोर्ट्स को पहले से ख़ारिज़ करता रहा है।पहले के अपने बयानों में भारत के विदेश मंत्रालय ने इस रिपोर्ट को प्रकाशित करने वाले आयोग को पक्षपाती बताया था।भारतीय विदेश मंत्रालय का कहना था कि सालाना रिपोर्ट में भारत को लेकर दुष्प्रचार किया जा रहा है।मालूम हो कि अमेरिका ने बुधवार को धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट जारी कर कहा था कि भारत में अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत बढ़ रही है। रिपोर्ट में भारत में अल्पसंख्यक समूहों पर हिंसक हमलों का आरोप लगाया गया है। इसमें मणिपुर में मई 2023 में शुरू हुई हिंसा का भी हवाला दिया गया है।

साथियों बात अगर हम रिपोर्ट तैयार करने के कारणों और प्रक्रिया की करें तो, रिपोर्ट क्यों और कैसे तैयार की जाती हैराज्य विभाग 1998 के अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम (पीएल 105-292) की धारा 102(बी) के अनुपालन में कांग्रेस को यह वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करता है, जैसा कि संशोधित किया गया है।यह रिपोर्ट 1 जनवरी से 31 दिसंबर, 2023 के बीच की अवधि को कवर करती है।अमेरिकी दूतावास सरकारी अधिकारियों, धार्मिक समूहों, गैर-सरकारी संगठनों, पत्रकारों, मानवाधिकार निगरानीकर्ताओं, शिक्षाविदों, मीडिया और अन्य लोगों से प्राप्त जानकारी के आधार पर देश के अध्यायों के प्रारंभिक मसौदे तैयार करते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्ट 2023-भारत ने सिरे से खारिज किया।भारत ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट 2023 को, पक्षपाती व भारत के सामाजिक ताने-बाने की समझ का अभाव बताया।अंतरराष्ट्रीय सूचकांकों व रिपोर्टों में भारत को रैंकिंग में पिछड़ा व खास नॉरेटिव से गड़ने को रेखांकित कर उपाय ढूंढना जरूरी है।

-संकलनकर्ता लेखक-
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

हठयोग के साधक मुस्लिम सूफी संत

कोलफील्ड मिरर 02 जुलाई 2024: सूफी साधना की उपासना विधि में गुरु की महिमा प्रमुख है तभी सूफी सिद्धों ने साधना में गुरु की महिमा प्रतिपादित की है ओर मजे की बात यह है की गुरु के महत्व की भावना को सूफियों ने भारत की सनातन परंपरा से ग्रहण किया। सभी वर्ग के साधकों को गुरु की आवश्यकता पड़ती है। सूफी संत उसमान ने गुरु और शिष्य के अविच्छिन्न सम्वन्ध के बारे में लिखा है कि गुरु से वियुक्त साधक अत्यन्त दुखानुभूति का अनुभव करता है। वह शारीरिक कष्ट सहता हुआ केवल गुरु नामस्मरण को आधार मान लेता है ओर यही बात नूर मोहम्मद स्वीकारते है- सत्त वचन भासा तुम स्वामी, जोगी हाँहि घ्यान सो कामी। वे माला स्वामी के हाथा, पाएं लाभ होइ एहि साथा। विन गुरु माल होउ कत चेला, विन गुरु दाया चर्ला अकेला। गुरु विन पन्थ न पावे कोई, केतिको ज्ञानी ध्यानी होई। गुरु ऐसो मीठो किछू नाहीं, जंह गुरु तहा तिक्त मिटि जाहीं। कामयाब सो गुरु अति भावै, सो हित जो गुरु ताहि जिवावे॥ जिस साधक को गुरु का निर्देशन प्राप्त नहीं होना वह अन्धे के भांति चारों ओर भटकता फिरता है और सीधा मार्ग उपलब्ध नहीं कर पाता। चाहे सारा संसार जोगियों या साधकों का स्वरूप धारण करके मूड मुड़ाकर सन्यासी बन किन्तु सिद्धि नहीं प्राप्त हो सकती है, जबतक गुरु की कृपा उसपर न हो जाय। गुरु की कृपा से नवों निधियाँ उसे प्राप्य है। गुरु के सूफी संत उस्मान गुरु के विषय मे कहते है कि– जा दिन ते हम गुरु विछोवा, अन्न न जेवा नींद न सोवा। भूख नाहि ओर नाहि प्यासा नाऊ आधार रहही घर सासा। कासिमशाह कहते है – सुफल दिवस आवै जबे, होय गुरु से भेंट। पाप ओर दुख सब मेटिए, ओगुन जाये सो मेट॥ अर्थात गुरु दर्शन से सारे पाप ओर दुख नष्ट हो जाते है ओर सारे अवगुण समाप्त हो जाते है।

हठयोग के दो भेदों की चर्चा योगस्वरोदय में है। प्रथम में श्रासन, प्राणायाम, धोति आदि पटकर्म का विधान है जिससे नाड़िया शुद्ध होकर परमानन्द प्राप्त करती हैं। दूसरे भेद में नासिका के अग्र भाग में दृष्टि निवद्ध करके आकाश में कोटि सूर्व के प्रकाश को स्मरण करना चाहिये। ऐसा करने से साधक चिरायु एवं ज्योतिर्मय होकर शिवरूप हो जाता है। हठयोग के इन दोनों ही भेदों की चर्चा इन सूफी प्रेमाख्यानों में होती है, किन्तु कहीं भी निश्चित क्रम एवं पूर्ण नियम साधन की चर्चा पृथक से हो, ऐसा नहीं है। ये कवि बहुश्रुत ज्ञात होते हैं। करामातों एवं चमत्कार में विश्वास करने के कारण इनका संघर्ष नाथपंथी इठयोगियों से अवश्य हुआ होगा अतएव अपने प्रतिद्वन्ती के उत्कृष्ट तत्वों को अपने साधना मार्ग में स्थान देकर इन सूफियों ने बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन किया। हठयोगियों की यौगिक क्रियाओं में इनका प्रभावित होना स्वाभाविक था। हंस जवाहिर ग्रन्थ के रचयिता कासिमशाह ने स्पष्ट लिखा है कि यदि हंसरूपी साधक जवाहिर रूपी सिद्धि को निश्चय ही प्राप्त करना चाहता है, तो उसे योगसाधना करनी पड़ेगी। योग साधना के अंतर्गत यह दृढ़ साधना, दृढ निद्रा, दृढ़ काम, एवं दृढ़ क्षुदा को आवश्यक मानता है। जव इस प्रकार ही कष्ट साधना में साधक सफल हो जाय ओर साथ ही ज्योति बिन्दु का एकाग्रचित से ध्यान करता हुआ उसमे इनना तल्लीन हो जाए कि उसे अपने अस्तित्व का ही ध्यान न रहे तब ही इस विरह संतप्त काया, एवम ध्यानबद्ध मन को परमज्योति का दर्शन-लाभ संभव है।

कासिम शाह लिखते है- जो तो वहहि जवाहिर लीन्हा, तू कर योग गुरु जस कीन्हा। कई योग की योगाचारी, ठाढ़ किया आखों दुख भारी। दृढ़ आसन हर निद्रा होऊ, दृढ़ हो क्षुधा हर काम न छोहू। यह चारों का आसन मारयो, वह सुमेरो तब श्राप विसार्यो। देखो तारे लाय निहारी, हियरे माझ जोत उजियारी। ध्यान वाध मन ताहि ते काया बिरहा जाय। तब पावस वह हेरतू, जब तू जाय हिराय॥ इसी प्रकार नूर मुहम्मद ने भी इन्द्रावती में सूक्ष्माहार को योग साफल्य की कुन्जी माना है। नूरमुहम्मद के 'इन्द्रावती' ग्रंथ में लिखते है कि – उदर भरे घर जोत न होई, खाय मनाक जोसेसर सोई। जोत एक तारा सम आगे, दिष्टि परत देखेउ अनुरागे॥ वही इसी बात को घरेण्ड सहिंता भी महत्व देते हुये स्वीकारती है - मिताहारं विनायस्तु यौगारम्भ तु कारयेत। नानारोगा भवन्त्यस्य किचिद्योगो न सिद्ध्यति॥ योग-साधना की सफलता के लिये दृढ आसान का महत्व भी कुछ कम नहीं है। पतंजलि योग दर्शन के अनुसार 'स्थिरसुखमासनम्' अर्थात् निश्चल होकर एक ही स्थिति में चिरकाल तक बैठने का अभ्यास ही आसान है। व्यसन सिद्ध हो जाने के पश्चात् शरीर पर शीतोष्णादिक इन्द्रों का प्रभाव नहीं पढ़ना तथा शरीर में सब प्रकार की पीवा संहने की शक्ति का विकास हो जाता है। शिवसंहिता में चौरासी प्रकार के आसनों की चर्चा है वही सुफी साहित्य में जहाँ कहीं भी आसनों की चर्चा आई है यहा पद्मासन का उल्लेख अधिक है।

सूफी प्रेमाख्यानों में नायिका के निवासस्थान की चर्चा करते समय कवियों ने 'कविलास, या कैलास' शब्द का प्रयोग किया है। नायिका ही सिद्धि है जिसकी प्राप्ति साधक या नायक का उद्देश्य है। कविलास या कैलास वह चरमभूमि है जहाँ तक पहुँचना साधक का ध्येय है। मालिक मोहम्मद जायसी लिखते है- बाजन बाजे कोटि पचासा, भा अनन्द सगरौं कैलासा। सात खंड उपर कविलास्, वहाँ नारि सेन सुख वासू!! नूरमुहम्मद इन्द्रावती हठयोग साधना में भी उद्‌बुद्ध कुण्डलिनी को सहस्तार तक पहुँचाना साधक का लक्ष्य होता है। यही सहस्रार इस पिण्ड का कैलाश है, यहीं पर शिव का निवास है। कासिम शाह लिखते है - करत जो कौतुक खेल सब, नखत सस्त्री चहुं पास। लये सो भामिनी दुलद्दका, गई माझ क्लास ॥ बरनूं का कैलास धनूपा, घचरन रैन माझ जनु धूपा। बहुत सम्भव है कि हठयोग की इस शिव, और फैलाश की भावना से प्रेरित हो सूफी कवियों ने परमेश्वर के स्वरूप नायिका के निवासस्थान के लिये कविलास एवं कैलास शब्दों का प्रयोग किया है, जो वास्तव में हठयोग का शिव स्थान कैलास है'। कहीं कहीं पर कैलास शब्द स्वर्ग का समानार्थी होकर भी प्रयुक्त हुआ है' सिद्धों एवं तान्त्रिक प्रयोगों की दृष्टि से प्रसिद्ध स्थानों की चर्चा भी इन सूफी प्रेमाख्यानों मे है। शेखनवी कृत ज्ञान दीप ग्रंथ में 'हिंगलाज पर्वत का उल्लेख है जो कराची से तेरहवीं मंजिल पर तान्त्रिक प्रयोग का प्रसिद्ध स्थान है। इस पर्वत पर एक देवी कर मंदिर भी है, 'ज्ञान दीप के साधना-गुरु सिद्धनाय ने यहीं सिद्धि प्राप्त की थी। इसी प्रकार कासिमशाह ने अपने अन्य 'हंस अबाहिर' में आसाम प्रदेश में स्थित कामाख्या देवी के पूजन का भी उल्लेख किया है-. हिंगुलाज जीत मा मेसि जोगु, चित्रकूट तीज बैठयू भोगु दसों दुयार न खोलई। किययू जो नाली बन्द। अमी अधार नाम विधि, जग धंधा सब धंध॥ प्राणायाम साधना से मन नियन्त्रित होता है। गोरक्ष पद्धति में 'हंस' नामक अजपा गायत्री मन्त्र की चर्चा है जिसके अनु- सार 'ह' कार के साथ प्राणवायु बाहर आता है और 'स' कार के साथ भीतर जाता है। अनहद नाद के दस मकारों का उल्लेख कवि निसार ने 'यूसुफ सुलेखा' में किया है। किन्तु यह केवल संकेत मात्र है। उसमें अनहद के इन दस प्रकारों का नामकरण एवं विशेष विवरण नहीं दिया गया है।

मुस्लिम सूफी कवियों में नूरसुहम्मद, अली मुराद, शेलनिसार, शेखरहीम, शेखनवी एवं शेख नसीर ने योगी वेश वर्णन किया वही शेख निधार एवं शेलनसीर 'यूसुफ जुलेला' के कुरान से सम्बन्धित प्रेमाख्यान होने के कारण आधिकांशतया वे सनातन परंपरा को पूर्णयता स्वीकार नही कर सके। कहा जाता है कि मत्स्येन्द्रनाथ सिंहल की सुन्दर नारियों के मध्य अपनी योग साधना से भ्रष्ट हो गये थे और फिर उनके शिष्य गोरखनाथ ने उन्हें चेतावनी दी थी, किन्तु इन्द्रावती का सौन्दर्य ऐसा मोहक है कि मत्स्येन्द्रनाथ के साथ ही गोरखनाथ भी अपना योग विस्मृत कर बैठे'। इसी प्रकार जब मालिन राजकु'बर का वर्णन इन्द्रावती को सुनाती है तो यह कहती है कि राजकु'बर के योगी वेश की सराहना सहज नहीं है। वह दूसरे गोपीचन्द की भाति ही ज्ञात होता है। बाम मार्ग के त्याग की चर्चा भी इन प्रेमाख्यानों में है। वास्तव में ये सूफी कवि अपनी साधना-पद्वत्ति में नाथ पंथियों के हठयोग से अधिक प्रभावित थे। शास्त्रग्रन्थों में हठयोग साधारणतः प्राव्य निरोध प्रधान साधना को ही कहते हैं। सिद्ध-सिद्वान्त-पदसि में 'ह' का अर्थ पूर्व बतलाया गया है और 'ठ' का अर्थ चन्द्र। सूर्य और चन्द्र के योग को ही 'हठयोग' कहते हैं- हकारः कवित्तः सूर्यष्ठकाररचन्द्र उच्यते। सूर्याचन्द्रमसर्वोयोगात हठयोगी निगधते॥ इस श्लोक की कही हुई बात की व्याख्या अनेक प्रकार से की जा सकती है। ब्रह्मानन्द के मत से 'सूर्य' से तात्त्यर्थ प्राणवायु का है और चन्द्र से अपानवायु का। इन दोनों का योग अर्थात् प्राणायाम से बायु का निरोध करना ही हठयोग है।

आत्माराम यादव